वर्ष : 16 ❖ अंक : 223 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 26 मार्च 2022

मैं 'प्रो एक्टिव' नहीं, 'कॉपी बुक' राज्यपाल हूं : धनखड़ 3

दूसरी बार यूपी के सीएम बने योगी 8

कोविड महामारी से उबर रहा सिक्किम का पर्यटन व्यवसाय

मार्च माह में अब तक 30 हजार से अधिक पर्यटक सिक्किम आए

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 मार्च । कोविड-19 महामारी के कारण विगत दो वर्षों तक नुकसान झेलने के बाद हिमालयी राज्य सिक्किम की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था इस वर्ष मार्च से पटरी पर लौटने लगी है। राज्य के दो प्रमुख झीलें-उत्तर में गुरुदोंगमार और पूर्व में छांगू- अभी बर्फ से जमे हुई हैं और उनके आस-पास की पहाड़ियों के बर्फीले सौंदर्य को देखने भारी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इस वर्ष मार्च महीने में ही अब तक 30 हजार से अधिक पर्यटक उत्तर सिक्किम का दौरा कर चुके हैं।

राज्य में लॉकडाउन की पाबंदियां हटने के बाद से पर्यटकों का आगमन लगातार जारी है। हालांकि बर्फ होने के कारण उत्तर सिक्किम जाने की पर्यटकों की मांग अभी पूरी नहीं की जा पा रही है। सिक्किम में आम तौर पर मार्च के आखिर तक बर्फ रहती है जिसके कारण उत्तर सिक्किम में 18,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित गुरुदोंगमार झील तक अप्रैल के बाद ही अधिकांश लोग पहुंचते हैं।

हालांकि इस दफे इसी सप्ताह से अपेक्षाकृत अधिक ठंडे स्थान को पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है। वहीं गुरुदोंगमार जाने के रास्ते में पड़ने वाले दो अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों-लाचेन और लाचुंग तक पहुंच चालू होने पर राज्य में पर्यटकों के आगमन में और वृद्धि देखी जायेगी।

सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के चेयरमैन लुकेन्द्र रसाइली ने कहा, सिक्किम में भारी संख्या में पर्यटकों का आगमन यह साबित करता है कि वे कोविड-19 पाबंदियों से ऊब चुके हैं। उनके अनुसार पर्यटकों के रिकॉर्ड आगमन से इस वर्ष सिक्किम में पर्यटन क्षेत्र का उल्लेखनीय विकास होगा। वहीं लाचुंग के एक होटल मालिक थुख्देन लाचुंग्पा ने कहा कि दो वर्षों तक महामारी की मार झेलने के बाद खास कर मार्च का महीना यहां के पर्यटन के लिये बेहतरीन साबित हो रहा है। वर्तमान में हर रोज पर्यटकों के करीब 300 वाहनों का आगमन हो रहा है।

इधर सिक्किम पुलिस द्वारा साझा किये गये एक आंकड़े के अनुसार 1 से 22 मार्च के बीच टुंग चेकपोस्ट के माध्यम से 2,579 वाहनों का आगमन हुआ है। वहीं उत्तर सिक्किम के विभिन्न चेकपोस्टों को मिलाकर यह कुल आंकड़ा 29,045 वाहनों का है। वहीं हाल ही में गुजरे लम्बे होली सप्ताहांत के दौरान हर रोज पर्यटकों के एक हजार से अधिक वाहन छांगू और नाथुला पहुंचे थे। महकमा पुलिस अधिकारी एलबी छेत्री ने कहा, 1 से 22 मार्च की उपरोक्त अवधि में 78 विदेशी पर्यटकों का भी आगमन हुआ था।

वहीं सिक्किम पर्यटन विकास निगम के एक अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में 500 किमी. के दायरे से राज्य में हर रोज ही पर्यटकों के 700-800 वाहनों का आगमन हो रहा है।

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष सोनम नोर्गे लाचुंग्पा के अनुसार महामारी के बाद यह हिमालयी राज्य पर्यटन के श्रेष्ठ दौर से गुजर रहा है। उनके अनुसार, जैसे-जैसे परिस्थितियां सुधर रही हैं, वैसे-वैसे राज्य में पर्यटकों का आगमन बढ़ रहा है। इससे पर्यटन से सम्बंधित सभी क्षेत्रों के लोग खुश हैं। मार्च में ही बर्फ हटने के बाद हमने उत्तर सिक्किम के गुरूडोंगमार झील और यामथुंग वैली की यात्राएं भी शुरू कर दी हैं। इसमें सभी विभागों का सहयोग भी हमें प्राप्त हो रहा है।

बहरहाल, विभिन्न स्थानों से हवाई मार्ग द्वारा सिक्किम पहुंचने वाले पर्यटकों के लिये प्रमुख माध्यम सिलीगुड़ी स्थित बागडोगरा हवाई अड्डा के मरम्मत कार्यों हेतु 15 दिनों तक बंद रहने की खबर इसमें खलल पैदा कर सकती है। सोनम नोर्गे ने कहा, अप्रैल में बागडोगरा हवाई अड्डे के बंद होने से हमारी कई बुकिंग रद्द हो गयी हैं। लेकिन इसके बावजूद अच्छी-खासी संख्या में सड़क व ट्रेन मार्ग से पर्यटकों के आने की सम्भावना है।

प्रशासन धमकी देने वालों पर करे तत्काल कार्रवाई : चौहान

सामाजिक कार्यकर्ता को फोन पर धमकी देने की बीजेपी ने की निंदा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 मार्च । पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक-दो ऑडियो क्लिप के बारे में भारतीय जनता पार्टी को पता चला है। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के कालिंपोंग के एक व्यक्ति ने पाकिम जिले के रेनाक-रेशी में रंपू नदी के किनारे कई खनन उद्योगों के विवाद में सिक्किम के एक सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता को फोन पर धमकी दी। उन्हें फोन पर दी गई धमकी का आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रेनाक रेशी क्षेत्र लंबे समय से अवैध गतिविधियों से त्रस्त है, और एक सामाजिक कार्यकर्ता ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया और कालिंपोंग के एक अजनबी ने उन्हें फोन कर उन्हें गाली दी और धमकी दी। भारतीय जनता पार्टी इस तरह की धमकियों का कड़ा विरोध करती है और इसकी कड़ी निंदा करती है। यह बात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डीबी चौहान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही है।

जहां तक प्रशासन ने कार्रवाई की है, इसे प्रशासनिक स्तर पर हल किया जाना चाहिए, लेकिन किसी व्यक्ति को सीधे फोन पर धमकी देना निंदनीय है। इससे साफ जाहिर है कि उक्त सामाजिक कार्यकर्ता की जान खतरे में हैं। भाजपा सिक्किम प्रशासन से ऐसे सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करती है।

दूसरी ओर, एक राजनीतिक नेता, जिसे सिक्किम राज्य का संरक्षक माना जाता है, ने भी कथित तौर पर उक्त सामाजिक कार्यकर्ता को फोन कर धमकी दी और सवाल किया वह बिना अनुमति उस क्षेत्र में कैसे चले गए। सिक्किम के नागरिक के रूप में, किसी भी व्यक्ति को राज्य के सभी जिलों का दौरा करने और जनहित के मुद्दों को उठाने का अधिकार है।

लेकिन एक जिम्मेदार राजनीतिक पद पर बैठे व्यक्ति को सीधे फोन पर धमकी देना अराजकता पैदा करना है जिसे सिक्किम का समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। भाजपा सिक्किम इस घटना की कड़ी निंदा करती है और मांग करती है कि प्रशासन इन मुद्दों पर तुरंत संज्ञान ले।

वीसीजीएल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के नवनिर्मित कक्षाओं का उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 25 मार्च । रेड रिबन क्लब द्वारा आज रावांग्ला वीसीजीएल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के नवनिर्मित कक्षाओं के उद्घाटन हेतु कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र विधायक श्रीमती राजकुमारी थापा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। उनके अलावा कार्यक्रम में क्षेत्र प्रभारी आरके बस्नेत सम्मानित अतिथि थे।

कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने नेपाली, भूटिया तथा लेख्चा नृत्य का प्रदर्शन किया और रक्तदान के महत्व को दर्शाते हुए एक लघु नाटक भी पेश किया। वहीं इस अवसर पर आरके बस्नेत ने अपने सहयोग का आश्वासन देते हुए स्कूल के खेल मैदान का विस्तार करने की बात कही। कार्यक्रम में पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता थटाल, पंचायत सदस्य, शिक्षा अधिकारी राबांग्ला, स्कूल प्रिंसिपल राजेन्द्र पोखरेल, एसएमसी चेयरमैन दुर्गा कार्की के अलावा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कोरोनेशन ब्रिज पर विस्फोट मामले में प्रोड्यूसर गिरफ्तार

अनुगामिनी नि.सं.

सिलीगुड़ी, 25 मार्च । कालिम्पोंग में सेवक कोरोनेशन ब्रिज पर हुए विवादित 'विस्फोट' के एक दिन बाद वेब सीरीज की प्रोडक्शन यूनिट के लाइन प्रोड्यूसर को गिरफ्तार कर लिया गया है और सेवक चौकी के प्रभारी अधिकारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है।

गुरुवार को कालिम्पोंग में एक वेब सीरीज की शूटिंग के दौरान ब्रिटिश काल के ऐतिहासिक धरोहर को पर एक ट्रक को उड़ा दिया गया था। कलिम्पोंग पुलिस ने कल रात क्रू दल के लाइन प्रोड्यूसर चैताली बंद्योपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

सूत्रों के मुताबिक इस विस्फोट के दौरान सेवक चौकी के पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद थे। लाइन प्रोड्यूसर को शुक्रवार को कलिम्पोंग कोर्ट में पेश किया गया। कालिम्पोंग जिले की पुलिस अधीक्षक अपराजिता राई ने गुरुवार को बताया कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार आज सुबह एक फिल्म की शूटिंग हुई थी। इसके (शेष पृष्ठ ०३ पर)

स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : छिरिंग वांग्याल भूटिया

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 25 मार्च । विश्व टीबी दिवस 2022 के उपलक्ष्य पर जिला तपेदिक केंद्र, मंगन द्वारा 'इनवेस्ट टू इंड टीबी-सेव लाइफ' थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा इसके साथ ही गत 24 फरवरी को आरम्भ हुए महीनाव्यापी 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। 2025 तक टीबी के समूल उन्मूलन के मिशन के साथ इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त राजनीतिक सलाहकार छिरिंग वांग्याल भूटिया मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

इसके साथ ही कार्यक्रम में मंगन नगर पंचायत के पार्षदों के अलावा मंगन के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. टेम्पो काल्योन, मंगन जिला तपेदिक अधिकारी डॉ. डोमा भूटिया, टीबी नियंत्रण चिकित्सा अधिकारी डॉ. दावा डोल्मा भूटिया, उत्तर सिक्किम यूथ वेलफेयर एसोसिएशन, चोतांग यार्गे वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण, पेन्टोक वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य, जिला अस्पताल मंगन के डायटीशियन और विभिन्न स्कूलों के शिक्षार्थी, शिक्षकगण एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के हाथों डिक्चू पीएचसी के टेक्निकल ऑफिसर पेन्टुक लेप्चा को टीबी उन्मूलन की दिशा में वर्ष भर किये गये उनके समर्पित कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। वहीं महीनाव्यापी 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' अभियान में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता स्कूली विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिये जाने के साथ ही टीबी चैम्पियंस एवं टीबी मरीजों को भी पोषक आहार दिये गये।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि छिरिंग वांग्याल भूटिया ने राज्य में ढांचागत सुविधाओं तथा मानव शक्ति में बढ़ोतरी के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा क्षेत्र की मजबूती हेतु राज्य सरकार की कोशिशों का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने आगामी वर्षों (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सरला राई ने पाकिम जिला प्रशासनिक केंद्र का किया दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 25 मार्च । सिक्किम सरकार के भू-राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव सह आयुक्त श्रीमती सरला राई ने आज पाकिम जिला प्रशासनिक केंद्र का दौरा कर वहां कार्यालयों के स्थापना कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

इस अवसर पर श्रीमती राई ने जिला कलेक्टर कार्यालय में एक बैठक की अध्यक्षता भी की जिसमें पाकिम जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कलेक्टर, भू राजस्व व आपदा प्रबंधन संयुक्त सचिव, भवन व आवास विभाग के अधीक्षण अभियंता के साथ उनकी टीम के सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान सचिव ने कार्यालय स्थापना कार्य की प्रगति और उसमें पेश आ रही समस्याओं की जानकारी ली और हरसम्भव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने पाकिम जिला को एक मॉडल जिला बनाने की दिशा में अधिकारियों से पूरे जोश-खरोश के साथ काम करने को प्रोत्साहित किया।

बैठक के बाद, श्रीमती राई ने नव स्थानान्तरित पुलिस विभाग, मोटर वाहन विभाग, भवन व आवास विभाग के कार्यालयों का दौरा भी किया।

साथ ही उन्होंने पाकिम हवाई अड्डा का भी दौरा कर एएआई निदेशक से मुलाकात की और भूमि सम्बंधी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान एएआई निदेशक ने उन्हें कुछ जमीन सम्बंधी समस्याओं के बारे में कहा, जिनका उन्होंने समाधान का आश्वासन दिया। वहीं आईपीआर विभाग से बात करते हुए सचिव-सह-आयुक्त ने कहा कि आगामी 1 अप्रैल, 2022 से नवनिर्मित पाकिम जिला पूरी तरह कार्य करना आरम्भ कर देगा।

नई योजनाओं को लागू करें अधिकारी : मंत्री साम्डुप लेप्चा

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 25 मार्च । मंगन-लाचेन क्षेत्र के विधायक तथा राज्य के सड़क व पुल विभाग के मंत्री साम्डुप लेप्चा की अध्यक्षता में आज मंगन जिला भवन में एक समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में श्री लेप्चा के अलावा डीसी (मंगन) एबी कार्की, एडीएम सोनम लेप्चा, एसपी (उत्तर) छिरिंग ग्यात्सो, एपीएस (उत्तर) छिरिंग वांग्याल भूटिया, एसडीएम (मंगन) पेमा वांगचेन नामकार्पा, एसडीएम (चुंगथांग) सुभाष घिमिरे और अन्य संबंधित विभागों के विभाग अध्यक्ष उपस्थित थे।

यहां अपने सम्बोधन में मंत्री साम्डुप लेप्चा ने समस्याओं के एकीकृत समाधान हेतु सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर एक मंच तैयार करने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया, जहां हर कोई अपना एजेंडा एवं सुझाव रख सके। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को नई योजनाओं और कदमों को शुरू करने और ठप परियोजनाओं का काम पूरा करने का भी सुझाव दिया।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मोड में कैबिनेट बैठकें करने हेतु एक शक्तिशाली सॉफ्टवेयर पोर्टल ई-कैबिनेट की शुरुआत का भी जिक्र किया।

इसके अलावा, मंत्री साम्डुप लेप्चा ने जिले तथा राज्य की बेहतरी हेतु कड़ी मेहनत करने के लिए अधिकारियों के कामों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। अंत में डीसी (उत्तर) एबी कार्की ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में बैठक में भाग लेने हेतु विधायक एवं सभी अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

साथ ही उन्होंने न केवल कड़ी मेहनत करने बल्कि परिणाम प्रस्तुत करते हुए आमलोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का वादा भी किया।

दिल्ली के तीनों निगमों को एक करने का बिल लोकसभा में पेश, बीजेपी बोली- आर्टिकल 370 जैसी दिक्कत होगी दूर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2022 विपक्ष की आपत्तियों के बीच शुक्रवार को लोकसभा में पेश किया गया। यह विधेयक राष्ट्रीय राजधानी के तीन नगर निगमों का विलय करना चाहता है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश किया, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण के लिए उत्तर प्रदेश में हैं। इसका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने विरोध किया। इनका कहना है कि यह कदम भारत के संघीय ढांचे के खिलाफ है।

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, 'एमसीडी के एकीकरण के बाद दिल्ली की समस्याओं का समाधान होगा। हम व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए पैदा हुए हैं। जैसा हमने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर किया था, दिल्ली में भी वैसा ही करेंगे। दिल्ली के एकीकरण से दिल्ली को लाभ होगा। ये विपक्ष वही है, जिसने दिल्ली की बर्बादी की नींव रखी थी।'

विधेयक के अनुसार, दिल्ली में नगर निगमों के एकीकरण के बाद उनमें सीटों की संख्या 250 से अधिक नहीं होगी और जब तक विलय कानून के तहत निकाय की पहली बैठक आयोजित नहीं होती तब तक इसके कार्य की देखरेख के लिए एक विशेष अधिकारी को नियुक्त किया जा सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि 2011 में तत्कालीन दिल्ली नगर निगम का विभाजन क्षेत्रीय डिवीजनों और राजस्व सृजन क्षमता के मामले में असमान था।

विधेयक में प्रस्ताव है कि विलय की गई निकाय में पार्षदों और अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए आरक्षित सीटों की कुल संख्या का निर्धारण केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में एक अधिसूचना के माध्यम से करेगी। बिल में कहा गया है, 'निगम की स्थापना के बाद प्रत्येक जनगणना के पूरा होने पर, सीटों की संख्या उस जनगणना में निर्धारित दिल्ली की जनसंख्या के आधार पर होगी और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।'

बिल के प्रावधानों में से एक के अनुसार, विलय किए गए निकाय में सीटों की कुल संख्या किसी भी स्थिति में 250 से अधिक नहीं होगी। वर्तमान में दिल्ली में तीन निगमों- उत्तर, दक्षिण और पूर्वी दिल्ली नगर निगमों में कुल 272 सीटें हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को दिल्ली के तीनों नगर निगमों के विलय के विधेयक को मंजूरी दे दी थी।

भगवंत मान सरकार का फैसला

पंजाब में पूर्व विधायक को मिलेगी सिर्फ एक पेंशन, भत्तों में भी कटौती

लुधियाना, 25 मार्च (एजेन्सी)। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सरकार बनाते ही राज्य में कड़े फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को उन्होंने ऐलान किया कि पूर्व विधायकों को सिर्फ एक बार के टर्म के आधार पर ही पेंशन दी जाएगी। वीडियो मैसेज में सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में पूर्व विधायक जितने बार जीतकर आते थे उतनी अलग-अलग पेंशन लेते थे, अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आप कितनी बार भी विधायक रहें, आपको सिर्फ एक बार की पेंशन मिलेगी। उन्होंने ये भी कहा कि कुछ सांसद विधायकों वाली पेंशन ले रहे हैं क्योंकि विधायकों की कई टर्म मिलाकर पेंशन सांसद की पेंशन से कहीं ज्यादा है।

सीएम भगवंत मान ने कहा कि हमारे नेता हाथ जोड़कर लोगों से वोट मांगते हैं कि हमें सेवा का मौका दीजिए।

उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा आपको जानकर आश्यर्च होगा कि जो नेता तीन बार, चार बार या पांच बार विधायक बने और फिर चुनाव हार गए या टिकट नहीं मिला, वो लाखों रुपये पेंशन ले रहे हैं। उन्होंने कहा कोई विधायक 3.50 लाख, कोई 4.50 लाख और कुछ विधायक 5.25 लाख रुपये महीने की पेंशन ले रहे हैं। इससे पंजाब सरकार के खजाने पर हर महीने करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में पेंशन ऑफिस को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि सिर्फ एक बार की विधायकी की ही पेंशन मिलेगी। गौरतलब है कि अगर कोई नेता पहली बार विधायक बनता है तो उसे हर महीने 75 हजार रुपये पेंशन मिलती है। इसके बाद जितनी बार वो विधायक बनता है, उसकी पेंशन में 66 प्रतिशत की बढोतरी होती जाती है। शिरोमणी अकाली दल के नेता और 11 बार विधायक और रहे प्रकाश सिंह बादल ने हाल ही में ऐलान किया कि वो पूर्व विधायक को मिलने वाली पेंशन नहीं लेंगे।

चीन में कोरोना का प्रकोप, यूजीसी ने भारतीय छात्रों को सोच-समझकर दाखिला लेने की सलाह दी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। चीन में कोरोना महामारी विकराल रूप लेने लगी है। ऐसे में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने चीन में विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों को पड़ोसी देश द्वारा लागू कोविड संबंधित यात्रा पाबंदियों से ''अवगत'' होने की सलाह दी है। कहा है कि इसके चलते कई छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए वहां नहीं लौट सके हैं। यूजीसी ने यह भी कहा कि पाबंदियों में कोई ढील नहीं दी गयी है और चीनी प्राधिकारियों ने बताया है कि पाठ्यक्रमों की पढ़ाई ऑनलाइन होगी।

यूजीसी ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि बहरहाल, नियमों के अनुसार, यूजीसी और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) पूर्व अनुमति के बिना केवल ऑनलाइन माध्यम से किए गए ऐसे डिग्री पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं देती है। यह नोटिस ऐसे वक्त जारी किया गया है, जब इससे पहले कुछ चीनी विश्वविद्यालयों ने मौजूदा और आगामी अकादमिक वर्षों के लिए विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नोटिस जारी किए हैं।

यूजीसी ने कहा, ''इस संदर्भ में किसी भी संभावित छात्र को यह जानकारी होनी चाहिए कि चीन सरकार ने कोविड-19 के मद्देनजर सख्त यात्रा पाबंदियां लागू कर रखी है और नवंबर 2020 से सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र इन पाबंदियों के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए चीन नहीं लौट पाए हैं।''

इसने कहा कि पाबंदियों में कोई ढील नहीं दी गयी है और चीनी प्राधिकारियों ने बताया है कि पाठ्यक्रमों की पढ़ाई ऑनलाइन होगी। यूजीसी ने नोटिस में कहा है, ''मौजूदा नियमों के अनुसार, यूजीसी और एआईसीटीई बिना पूर्व अनुमति के केवल ऑनलाइन माध्यम से किए गए ऐसे डिग्री पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं देते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए छात्रों को सोच-समझकर यह विकल्प चुनने की सलाह दी जाती है कि वे कहां से उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, ताकि उन्हें रोजगार या उच्चतर शिक्षा में आगे दिक्कतें नहीं हो।''

जीएसटी कानून की कार्यवाही में भाग लेने के बाद क्षेत्राधिकार की आपत्ति सही नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज, 25 मार्च (एजेन्सी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि जीएसटी कानून में क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले अधिकारी केन्द्र व राज्य दोनों के उचित अधिकारी होंगे। यदि कोई कंपनी केंद्र सरकार की जीएसटी में पंजीकृत हैं और राज्य सरकार के जीएसटी अधिकारी कारण बताओ नोटिस जारी कर असेसमेंट आदेश करता है तो कंपनी को उसी समय अधिकार क्षेत्र की आपत्ति करनी चाहिए। यदि कंपनी ने कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया हो और असेस्मेंट आदेश जारी किया गया है तो हाईकोर्ट में क्षेत्राधिकार की आपत्ति करना उचित नहीं होगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी एवं न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने लुब्रिकेंट व्यवसायी अजय वर्मा की याचिका पर दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने उप आयुक्त राज्य जीएसटी सहारनपुर की कार्यवाही को क्षेत्राधिकार से बाधित नहीं मानते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने की अधिकारिता के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि याची चाहे तो असेसमेंट आदेश के खिलाफ नियमानुसार धारा 107 में अपील दाखिल कर सकता है।

याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू चोपड़ा, राज्य सरकार के अधिवक्ता बीपी सिंह कछवाह व केंद्र सरकार के अधिवक्ता कृष्णजी शुक्ल ने बहस की। याची का कहना था कि वह केंद्रीय जीएसटी विभाग में पंजीकृत है इसलिए उसके खिलाफ कार्रवाई केंद्र सरकार के अधिकारिता वाले अधिकारी ही कर सकते हैं। राज्य जीएसटी विभाग के उप आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी करने का क्षेत्राधिकार नहीं है। ऐसे में कार्यवाही रद्द की जाए। सरकार की ओर से कहा गया कि धारा 6(2)(बी) के अनुसार जब केंद्रीय अधिकारी ने कार्यवाही शुरू की हो तो राज्य के अधिकारी कार्यवाही नहीं करेंगे। मामले में राज्य सरकार के अधिकारी के कार्यवाही शुरू करने के कारण केंद्र सरकार के अधिकारी ने कार्यवाही पूरी करने की छूट दी है।

ऐसा इसलिए है कि दो कार्यवाहियों में टकराव न हो। दोनों ही अधिकारियों को कार्यवाही करने का अधिकार है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याची को शुरू में ही बताना चाहिए था कि वह केंद्र में पंजीकृत है। उसी को कार्यवाही का अधिकार है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। आदेश होने के बाद अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाना सही नहीं है। यह नहीं कहा जा सकता कि उप आयुक्त जीएसटी सहारनपुर को क्षेत्राधिकार नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

बंगाल का हाल सुना संसद में रो पड़ीं रूपा गांगुली, राष्ट्रपति शासन की मांग

कोलकाता, 25 मार्च (एजेन्सी)। भाजपा सांसद रूपा गांगुली ने बीरभूम की घटना के बारे में बताते हुए राज्यसभा में रो पड़ीं। उन्होंने सदन में कहा, 'हम पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। वहां सामूहिक हत्याएं हो रही हैं। लोग वहां से भाग रहे हैं। राज्य अब रहने योग्य नहीं है।'

राज्यसभा में बीजेपी सांसद रूपा गांगुली ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में लोग बोल नहीं सकते। सरकार हत्यारों को बचा रही है। कोई दूसरा राज्य नहीं है जहां सरकार चुनाव जीतने के बाद लोगों को मारती है। हम मनुष्य हैं। हम पत्थर दिल की राजनीति नहीं करते।''

भाजपा की रूपा गांगुली ने आज राज्यसभा में पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में आठ लोगों को जलाकर मारने की घटना का उल्लेख किया, जिसका तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ा विरोध करते हुए भारी शोरगुल और हंगामा किया। इसके कारण सदन की कार्यवाही लगभग 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। गांगुली ने शुन्य काल के दौरान जैसे ही बीरभूम में पिछले दिनों आठ लोगों को जलाकर मारने की घटना का उल्लेख किया वैसे ही तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने अपनी सीट से उसका जोरदार विरोध करना शुरू कर दिया। इसके बाद भाजपा के सदस्यों ने भी अपनी सीट से तृणमूल कांग्रेस का विरोध करने लगे जिसके कारण भारी शोरगुल और हंगामा होने लगा।

इस दौरान गांगुली भावुक हो गयी और रोने लगी। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे के विरूद्ध नारेबाजी भी की गयी। गांगुली ने कहा कि पहले लोगों को मारा-पीटा गया और फिर उन्हें बांधकर जला दिया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल दक्षिणेश्वर महाकाली की भूमि है और वहां भी लोगों को जीने का अधिकार है। बाद में तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सदन के बीच में आ गए और नारेबाजी करने लगे। इसी दौरान उपसभापति हरिवंश ने विशेष उल्लेख के लिए सदस्यों का नाम पुकारा लेकिन शोरगुल के कारण कुछ सुना नहीं जा सका। हंगामा बढ़ने पर उपसभापति ने 11:55 मिनट पर सदन की कार्यवाही 12:10 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

'रेलवे को भारी पड़ता है रियायतें देना'

सभी को छूट का दायरा बढ़ाना फिलहाल संभव नहीं : अश्विनी वैष्णव

राजेश अलख

नई दिल्ली, 25 मार्च । कोरोना महामारी के चलते अपने इतिहास में पहली बार कुछ समय के लिए बंद हुई रेवले अभी भी अपने पुराने रेवेन्यू पर वापस नहीं लौटी है। ये जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को संसद में दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की वजह से पैदा हुई चुनौतियों के कारण वर्ष 2020-21 में कुल यात्री राजस्व कोविड पूर्व अवधि (2019-20) की तुलना में कम है।

इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि यात्रियों को रियायतें देने की लागत रेलवे पर भारी पड़ती है, इसलिए सभी श्रेणी के यात्रियों के लिए रियायतों का दायरा बढ़ाना फिलहाल वांछनीय नहीं है।

उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी और कोविड दिशानिर्देश (प्रोटोकॉल) के मद्देनजर 20 मार्च 2020 से भारतीय रेल ने केवल दिव्यांगजनों की चार श्रेणियों, मरीजों की 11 श्रेणियों और छात्रों की ही रियायत जारी रखी है।

उन्होंने कहा कि रियायतें देने की लागत रेलवे पर भारी पड़ती है, इसलिए यात्रियों की सभी श्रेणियों के लिए रियायतों का दायरा बढ़ाना फिलहाल वांछनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि राजधानी, दुरंतो और वातानुकूलित गाड़ियों सहित विभिन्न गाड़ियों में खान-पान सुविधाएं 19 नवंबर 2021 से चरणबद्ध तरीके से पुन: बहाल कर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए गाड़ियों के अंदर लिनेन और पर्दे उपलब्ध कराने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भारत और चीन यूक्रेन में तत्काल संघर्षविराम की जरूरत पर हुए सहमत, बोले- बातचीत हो प्राथमिकता

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। यूक्रेन संकट को लेकर भारत और चीन तत्काल संघर्षविराम की जरूरत पर सहमत हुए हैं। शुक्रवार को दोनों देशों ने संघर्ष विराम की आवश्यकता और संघर्ष को कम करने के लिए युद्धरत देशों के कूटनीति और बातचीत की राह पर लौटने की जरूरत पर सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच तीन घंटे की बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा।

जयशंकर ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'वांग यी ने चीन की समझ, वहां (यूक्रेन में) उत्पन्न स्थिति और उससे संबंधित घटनाक्रम के बारे में चीन का दृष्टिकोण पेश किया और मैंने भारतीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।' विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपने-अपने दृष्टिकोण पर चर्चा की और सहमति जताई कि कूटनीति एवं बातचीत प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, भारतीय दृष्टिकोण के बारे में, आप में से कई लोगों ने मुझे कल संसद में भी बोलते हुए सुना होगा। और जाहिर है कि उन्होंने (वांग ने) जो कुछ कहा है वह उनका विचार है और मैंने जो कहा वह मेरा विचार है, लेकिन साझा विचार यह है कि हम दोनों ही तत्काल संघर्षविराम को महत्व देने के साथ-साथ कूटनीति एवं बातचीत की राह पर (रूस और यूक्रेन के) लौटने की जरूरत पर सहमत हुए हैं।'

विदेश मंत्री ने गुरुवार को संसद में कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत की स्थिति 'दृढ़ और शुरू से लेकर अब तक एक जैसी' रही है और वह वार्ता के माध्यम से संघर्ष का समाधान चाहता है। भारत ने यूक्रेन पर आक्रमण करने को लेकर रूस की अभी तक निंदा नहीं की है और रूसी हमले की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र में मतदान से भी अनुपस्थित रहा है। चीन के रूस के साथ घनिष्ठ संबंध हैं और वह यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा घोषित आर्थिक प्रतिबंधों के प्रभाव को दूर करने में मास्को की सहायता करने की इच्छा के बारे में संकेत दे रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या 'क्वाड' का विषय चीनी विदेश मंत्री ने उठाया था, जयशंकर ने कहा, 'नहीं, इसे नहीं उठाया गया। इसलिए, क्वाड पर कोई बातचीत नहीं हुई।' क्वाड में भारत, जापान, आस्ट्रेलिया और अमेरिका शामिल हैं। एक अलग सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि हिंद-प्रशांत का मुद्दा भी नहीं उठा। जयशंकर ने कहा, 'हमने बहुपक्षीय मुद्दों पर भी कुछ समय बात की। मैंने सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में लंबे समय से लंबित सुधार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।'

धर्मांतरण के खिलाफ अर्जी एससी ने की खारिज, कहा- पब्लिक इंटरेस्ट से ज्यादा यह पब्लिसिटी इंटरेस्ट

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के धर्मांतरण पर सुनाए फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में कथित रूप से हिंदू धर्म से अन्य धर्मों में जबरन धर्मांतरण का मुद्दा उठाया गया था। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका 'प्रचार हित' से अधिक कुछ नहीं है और इस तरह की दलीलें सद्भाव को बिगाड़ने का काम करती हैं।

न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि आप वास्तव में इस तरह की याचिकाओं से सामंजस्य बिगाड़ रहे हैं। पीठ ने कहा कि यह याचिका जनहित के बजाय प्रचार हित की अधिक है और इसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के पिछले साल मार्च में एक जनहित याचिका पर दिए आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें केंद्र और तमिलनाडु राज्य सहित अन्य से ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों पर निगरानी के लिए बोर्ड स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि विशेष सरकारी वकील ने तमिलनाडु जबरन धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2002 की एक प्रति प्रस्तुत की है, जिसमें बल के उपयोग से जबरन धर्म बदलने पर रोक लगाने का प्रावधान करता है। अदालत ने कहा कि हम आशा और विश्वास कर सकते हैं कि इस अधिनियम के प्रावधानों का ठीक से पालन होगा।

उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में याचिकाकर्ता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से उनकी जानकारी में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व और देशद्रोही लोगों का जबरन धर्मांतरण करा रहे हैं। विशेष रूप से ईसाई धर्म को लेकर यह शिकायत मिल रही है। याचिकाकर्ता का कहना था कि भारत की एकता और संप्रभुता और स्थिरता को मजबूत करने के लिए सभी ईसाई मिशनरियों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही उनकी आय की निगरानी की जानी चाहिए और उनकी गतिविधियों को राज्य व केंद्र सरकार की निगरानी में सख्ती से लाया जाना चाहिए।

सत्ता में आने के लिए मुझे जेल में डाल दो : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 25 मार्च (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को मोदी शासित भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आप सत्ता में आने के लिए हमे जेल में डालना चाहते हैं तो डाल दीजिए। उनका यह बयान तब सामने आया है जब तीन दिन पहले उनके बहनोई के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई की। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में छ 6.45 करोड़ रुपए संपत्ति को फ्रीज कर दिया है।

महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर हमला बोला। कहा, 'अगर आप सत्ता में आना चाहते हैं, तो सत्ता में आएं। लेकिन सत्ता में आने के लिए ये सब गलत काम न करें। हमारे या किसी और के परिवार को परेशान न करें। हमने आपके परिवार के सदस्यों को कभी परेशान नहीं किया। ऐसा नहीं है कि हम कह रहे हैं कि आपके परिवारों ने कुछ गलत किया है या उनके पास कुछ ऐसा है जिससे हम आपको परेशान कर सकते हैं। अगर आप सत्ता में आने के लिए हमें जेल में डालना चाहते हैं, तो मुझे जेल में डाल दें।'

उद्धव ठाकरे के बहनोई की संपत्ति की जब्ती के दो हफ्ते बाद आयकर विभाग ने उनके बेटे आदित्य ठाकरे, एक मंत्री और सहयोगी अनिल परब के करीबी माने जाने वाले लोगों पर छापेमारी की, जिसके बाद शिवसेना ने भाजपा पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोला है।

यह कदम दो हफ्ते बाद आया जब आयकर विभाग ने उनके बेटे आदित्य ठाकरे, एक मंत्री और सहयोगी अनिल परब के करीबी माने जाने वाले लोगों पर छापेमारी की, जिससे उनकी पार्टी शिवसेना ने केंद्र में भाजपा पर चुनिंदा राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

श्रीधर माधव पाटनकर उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि के भाई हैं और श्री साईबाबा गृहिणीर्मि प्राइवेट लिमिटेड के सर्वेसर्वा हैं। ईडी का दावा है कि पुष्पक बुलियन नाम की कंपनी के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित रूप से हेराफेरी की गई थी, जिसमें श्री साईबाबा गृहिणीर्मि प्राइवेट लिमिटेड की भी संलिप्तता है। पिछले महीने के अंत में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को भगोड़े आतंकवादी दाऊद इब्राहिम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। वे कम से कम 4 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। उनसे पहले, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख, जो शरद पवार की एनसीपी के नेता भी हैं, को ईडी ने पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

मैं 'प्रो एक्टिव' नहीं, 'कॉपी बुक' राज्यपाल हूं : धनखड़

जयपुर, 25 मार्च (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मीडिया द्वारा उन्हें प्रो एक्टिव गवर्नर बताए जाने को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह तो कॉपी बुक गवर्नर हैं जो चुपचाप काम करने में विश्वास करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी भी परिस्थिति में किसी के भी कहने पर संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

जगदीप धनखड़ राजस्थान विधानसभा में संसदीय लोकतंत्र के उन्नयन में राज्यपाल एवं विधायकों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

पश्चिम बंगाल सरकार विशेष रूप से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ टकराव की खबरों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, मैंने बहुत बार कहा और आज देश के एक वरिष्ठ राजनीतिक व्यक्तित्व के सामने भी कह रहा हूं मैंने माननीय मुख्यमंत्री (बनर्जी) जी को बुलाया और कहा कि आप देश की जानी मानी नेता हैं। इनका (मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का) नाम लिया और कहा कि इस श्रेणी में तीन-चार से ज्यादा लोग नहीं हैं। केंद्र मुझे जो भी सुझाव देगा, मैं उसे बहुत गंभीरता से लूंगा। मेरा मानस रहेगा कि उसके अनुरूप कार्य हो, बशर्ते उसमें कोई संवैधानिक बाधा नहीं हो। मैंने कहा कि उसी तरीके से आपका भी कुछ सुझाव होगा उसका असर भी मुझ पर उतना ही होगा। पर जिस दिन केंद्र के लोग या आप आश्वसत हो जाएंगे कि मैं वही करूंगा जो आप कहेंगे तो फिर इस कुर्सी पर दूसरा व्यक्ति बैठेगा, मैं नहीं बैठूंगा।

धनखड़ ने कहा, मेरा पूरा विश्वास है कि इस महान देश का नागरिक होने एवं एक राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते, मैं अपना निर्देश केवल संविधान से लेता हूं । मैं किसी और से दिशा निर्देश नहीं लेता। मेरी पूरा जोर संविधान को सर्वोपरि रखना है। मेरा काम इसकी सुरक्षा, संरक्षा एवं इसका बचाव करना है ऐसी हालात मैं मुझे मीडिया ने प्रो एक्टिव कहा गया।

उन्होंने कहा,मुझे प्रोएक्टिव गवर्नर कहा गया.. मैं नहीं हूं मैं तो कॉपी बुक गवर्नर हूं। मैं तो विधि के शासन में विश्वास करता हूं।

मैं लो प्रोफाइल वर्किंग में विश्वास करता हूं और मैं किसी भी परिस्थिति में, किसी के भी कहने पर संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन नहीं करूंगा।

उन्होंने कहा,मेरे मन में बड़ी पीड़ा होती है, चिंता करता हूं और चिंतन भी कि मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल सार्वजनिक रूप से कैसे लड़ सकते हैं? मेरा अथक प्रयास

रहा है कि राज्यपाल की हैसियत से मेरा प्रमुख दायित्व है कि मैं सरकार का समर्थन करूं, कंधे से कंधा मिलाकर उसका साथ दूं लेकिन एक हाथ से यह संभव नहीं है और जो हालात मैं देख रहा हूं वह चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं विधायक बहुत बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं जो बहुत चिंता एवं चिंतन का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को संवैधानिक दायित्वों के अलावा कोई ऐसा काम नहीं दिया जाना चाहिए जिससे उनका राज्य सरकार के साथ टकराव की स्थिति पैदा हो।

इस संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में किया गया था। इस अवसर पर 2019 के लिये विधायक ज्ञानचंद पारख, वर्ष 2020 के लिये विधायक संयम लोढ़ा और वर्ष 2021 के लिये विधायक बाबूलाल और विधायक मंजू देवी को सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री शांति कुमार धारीवाल और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित विधायक, पूर्व विधायक गण मौजूद थे।

रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा कोई परीक्षा परिणाम नहीं रोका गया : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

राजेश अलख

नई दिल्ली, 25 मार्च। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को संसद में बताया कि गैर तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी) सहित रेलवे में भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करने के पश्चात रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा कोई परीक्षा परिणाम नहीं रोका गया है। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने कहा, ''गैर तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी) की परीक्षा आयोजित करने के बाद रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा कोई परीक्षा परिणाम रोका नहीं गया है।''

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बिहार व उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर एनटीपीसी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया के विरोध में अभ्यर्थियों ने हंगामा किया था। वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान रेलवे भर्ती बोर्ड दो द्वारा विभिन्न समूह-'ग' और लेवल-1 (पूर्ववर्ती समूह 'घ') पदों की कुल 2,83,747 रिक्तियों के लिए सात नई केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। उन्होंने कहा, ''4 केंद्रीयकृत रोजगार सूचनाओं के तहत 1,43,034 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। इसके अलावा तीन केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाओं के अंतर्गत 1,40,713 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया परीक्षा चरण पर है।''

रेलमंत्री ने बताया कि इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने भी चार रोजगार अधिसूचनाओं के अंतर्गत कुल 10,568 रिक्तियों के लिए भी भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2016-17 से 2020-2021 के दौरान विभिन्न समूह 'ग' लेवल-1 (सहित) और सुरक्षा संबंधी पदों के लिए कुल 2,00758 उम्मीदवारो को रेल में नियुक्ति के लिए पैनलबद्ध किया गया है।

उन्होंने कहा, ''क्षेत्रीय रेलों व उत्पादन इकाइयों द्वारा उम्मीदवारों के चरित्र एवं पूर्ववृत्त सहित सभी पात्रता संबंधी मानदंडों को पूरा करने के आधार पर सभी पैनलबद्ध उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए पेशकश की जाती है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या रेलवे नियुक्तियां करने में ढिलाई बरत रहा है और इसलिए बेरोजगारों को रेलवे सेवा में शामिल होने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं, वैष्णव ने कहा, ''जी नहीं।''

कोरोनेशन ब्रिज पर .....

लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

चिकन नेक कॉरिडोर के रूप में जाना जाने वाला 22 किलोमीटर का हिस्सा पूर्वोत्तर क्षेत्र को शेष भारत से जोड़ता है। इस कॉरिडोर के एक तरफ जहां बांग्लादेश है, वहीं दूसरी तरफ नेपाल है, जो इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। इस संकरे गलियारे पर तीस्ता नदी के ऊपर कोरोनेशन ब्रिज, जिसे सेवक ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, स्थित है। 1937 में किंग जॉर्ज 6 और महारानी एलिजाबेथ के राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में कोरोनेशन ब्रिज की अधारशिला रखी गई थी। यह पुल 1941 में 4 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ था।

अपनी उम्र और खराब रखरखाव के बावजूद, पुल अभी भी पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने के अपने उद्देश्य को पूरा करता है और उत्तर बंगाल और पूर्वोत्तर के बीच सबसे महत्वपूर्ण संपर्क बनाता है, जबकि दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जैसे जिलों को शेष बंगाल से जोड़ता है। जरूरी सामान की ढुलाई और सुरक्षा बलों की आवाजाही भी इसी पुल पर निर्भर है।

स्वास्थ्य सुरक्षा के .....

में सिक्किम की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली को और प्रभावी बनाने की दिशा में किये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान और मिल कर कार्य करने तथा आवश्यकता पड़ने पर हर प्रकार का सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं मंगन जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. टेम्पो काल्योन ने यहां विश्व टीबी दिवस के आयोजन तथा समाज में इस बीमारी के बारे में जागरुकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए 2025 तक टीबी उन्मूलन हेतु सभी को मिलकर और प्रभावी तरीके से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

मंगन जिला तपेदिक अधिकारी ने टीबी की पहचान के बाद क्या करने और क्या नहीं करने, के बारे में जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने टीबी संक्रमण तथा इसकी रोकथाम के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने राजधानी दिल्ली में वर्ल्ड टीबी डे, 2022 में राज्य को टीबी के मामलों में 20 प्रतिशत कमी हासिल करने हेतु कांस्य पदक जीतने और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में सिक्किम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु सम्मानित किये जाने के लिये सभी कर्मचारियों को बधाई दी। 2025 तक टीबी के समूल उन्मूलन के मिशन के साथ एकजुट होकर कार्य करने के प्रण के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)
तेजस्विनी हिल्स, पोरिया डाक, कासरगोड- 671320

सं. सीयूके/ईएसटी/आईसीआरटी/टीईएसीएच/2015 दिनांकित 09 मार्च, 2022

रोजगार अधिसूचना-टीचिंग

विभिन्न शिक्षक पदों को भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आंमत्रित किए जाते हैं।

पदों की संख्या, अधिसूचना संख्या, वर्ग, आवश्यक योग्यताएँ, अनुभव, वेतनमान, ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने से संबंधित विवरण आदि सभी ब्यौरों से सहित अधिसूचना विश्वविद्यालय के वेबसाइट **www.cukerala.ac.in** में उपलब्ध हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख **25.04.2022.**

davp 21353/12/0014/2122 कुलसचिव

वीआईपी प्रमुख की आरजेडी में नो एंट्री : राबड़ी देवी

पटना, 25 मार्च (का.सं.)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का कहना है कि मुकेश सहनी को अब लालू प्रसाद क्यों याद आ रहे हैं? राजद में मुकेश सहनी के लिए कोई जगह नहीं है। पार्टी में पहले ही कई बड़े निषाद नेता मौजूद हैं।

बता दें कि कुछ दिन पहले वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने फेसबुक लाइव के दौरान कहा था कि लालू प्रसाद की बात नहीं मान कर उन्होंने बहुत बड़ी गलती कर दी थी। इसी संदर्भ में जब पत्रकारों ने के सवाल का जवाब देते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि वो (मुकेश सहनी) कहां जा रहे थे, उन्हें जाते समय सोचना चाहिए था। राजद में उनकी अब नो एंट्री है। बता दें कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी की पार्टी के तीनों विधायक बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

दो दिन पहले मुकेश सहनी ने अफसोस जताते हुए कहा कि था उस दिन यदि लालू प्रसाद की बात मान लेते तो यह दिन नहीं देखना पड़ता। राजद की तरफ से चार-चार मंत्री और डिप्टी सीएम बनाने का ऑफर था, हमने उसे ठुकरा दिया।

GOVERNMENT OF SIKKIM
OFFICE OF THE DISTRICT COLLECTOR CUM MAGISTRATE
RABDENTSE, WEST SIKKIM

Memo No. 740/DC(Gyz)/2022 **Date: 25/03/2022**

PUBLIC NOTICE
Under Section 3G of National Highway Act, 1956

Whereas the Central Government, in the Ministry of Road Transport and Highways, declared its intention to acquire the land specified in the Schedule annexed to the notification bearing **No. 318(E) dated 24.01.2022** published in the Gazette of India, Extraordinary, Part ll, Section 3, issued under sub-section (1) of Section **3A** of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) (hereinafter referred to as the said Act) for building (Widening/four-laning, etc), maintenance management and operation of **NH No. 510** On the stretch of land from **Km 58.840 to Km 75.000 (Legship to Gyalshing)** in the district of West in the state of Sikkim.

And whereas, the substance of the said notification was published in **Hamro Varta** and **Sikkim Express, dated: 28/01/2022** under sub-section (3) of section 3A of the said Act.

And whereas the Competent Authority has received objections filed under Section 3-C, considered and disallowed the same appropriately.

And whereas, in pursuance of sub-section (1) of section 3D of the said Act, the Competent Authority has submitted its report to the central Government.

And whereas, upon receipt of the said report of the competent authority and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3D of the said Act, the Central Government has declared that he land specified in the said Scheduled should be acquired for the aforesaid purpose.

And whereas, the said declaration has been published in the Gazette of India, Extraordinary, Part ll, **bearing No 1180(E), dated 16/03/2022** as required under Section 3D of the said Act.

And further, in pursuance to sub-section (2) of section 3D of the said Act, the Central Government hereby declares that on publication of this notification in the Officials Gazette, the land specified in the said **Schedule** shall vest absolutely in the Central Government, free from all encumbrances.

Now, therefore, in compliance of sub-section (3) of Section 3G, the Competent Authority hereby invites all the landowners or persons interested in the land being acquired under these proceedings to submit their claims in respect of the land mentioned in the **Schedule** given here-in-below within a period of 15 days from the date of publication of this Public Notice in the office of the Competent Authority i.e., Office of District Collector, Gyalshing, West Sikkim, by 19/04/2022.

All the persons interested [owner of the lands and other interested person(s)] in the lands specified in the **Schedule** given below are hereby called upon to **submit their claims in the said land** (their share, area of land, any assets attached there to e.g. structures/tress etc. and state the nature of the respective interest in such land along with relevant records. The said landowners or persons interested therein shall **also furnish the particulars of their Bank Accounts to which they would like their compensation amount to be credited.**

The claims may be submitted in the following indicative format:

Schedule is attached herewith to this notice.

SCHEDULE

Name of village/ Town	Name of the Landowner/interested person	Field Survey No.	Area of Land in his share	Any structures/ trees/tube well attached to the land	Name of the Bank & Branch in which he/ she holds the Account	Particulars of the Bank Account No. IFSC Code of the Bank Branch
1						
2						
3						
4						

sd/-
District Collector/CALA
Gyalshing West Sikkim

R.O. No. 359/IPR/PUB/Classi/2122, DT.: 25.03.2022

संपादकीय पृष्ठ

राजनीति में हिंसा रुके

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या के बाद जिस तरह से आठ लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सभी दोषियों को सजा दिलाने की बात कही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि इसमें केंद्र, राज्य सरकार की हर तरह से मदद करने को तैयार है। इसके साथ मोदी ने राज्य के लोगों से ऐसी हिंसक घटनाओं को बढ़ावा देने वाले लोगों को कभी माफ न करने की अपील की। प्रधानमंत्री के बयान को आधार बनाएं तो ऐसी घटना के बाद जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसे ही संयत और गंभीर रुख की अपेक्षा की जाती है।

राज्य में इस घटना को लेकर जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनकड़ आमने-सामने नजर आए और दोनों में तीखी बयानबाजी हुई, वह वाकई निराशाजनक है। मुख्यमंत्री ने घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए भी इसके पीछे राज्य को बदनाम करने की संभावित साजिश का जिक्र कर दिया। ऐसे बयान उन आशंकाओं को मजबूती देते हैं कि कहीं जांच प्रक्रिया को खास दिशा देने की कोई मंशा तो काम नहीं कर रही। बहरहाल, बीरभूम की घटना पश्चिम बंगाल के लिए न तो नई है और न ही आश्चर्यजनक। संगठित हिंसा यहां की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा काफी पहले से बनी हुई है।

तीन दशकों से ऊपर के लेफ्ट शासन के दौरान यहां राजनीतिक और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में सीपीएम कार्यकर्ताओं का वर्चस्व स्थापित हो चुका था। अपने लिए स्पेस बनाने की विरोधी पार्टियों की कोशिशों से उस दौरान प्राय: हिंसक तरीकों से ही निपटा जाता था। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लेफ्ट पार्टियों के वर्चस्व को तो खत्म किया, लेकिन राजनीति की इस शैली को बदलने का कोई खास प्रयास भी उसकी तरफ से होता नहीं दिखा। नतीजा यह कि जिस सिंडिकेट कल्चर को कोसते हुए तृणमूल सत्ता में आई, वह और व्यापक हुआ। इसी का नतीजा है कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी होने के बावजूद जब तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या होती है तो उसके शोक संतप्त समर्थक भी इंसाफ के लिए पुलिस और प्रशासन का मुंह देखने के बजाय खुद कानून हाथ में लेकर संदिग्धों को तत्काल सजा देने का अभियान शुरू कर देते हैं।

ममता बनर्जी न केवल तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता और राज्य की मुख्यमंत्री हैं बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में बीजेपी को पराजित करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का संभावित साझा चेहरा भी मानी जा रही हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त रखने के साथ ही हिंसा की संस्कृति खत्म कर वहां लोकतांत्रिक राजनीति का दायरा बढ़ाने की चुनौती भी उनके सामने है। इस दिशा में कारगर प्रयासों से ही राष्ट्रीय राजनीति में विकल्प के उनके दावे को प्रामाणिकता मिलेगी।

उच्च शिक्षा के लिए केवल प्रवेश परीक्षा

हरिवंश चतुर्वेदी

जीसी चेयरमैन एम जगदीश कुमार द्वारा 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए घोषित किए गए सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेन्स टेस्ट (सीयूईटी) के साथ ही अब अगले सत्र से नई व्यवस्था लागू हो गई है। फिलहाल यह व्यवस्था 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए ही अनिवार्य की गई है, किंतु निजी, डीम्ड व राज्यों के सरकारी विश्वविद्यालयों को भी इसमें शामिल होने का विकल्प रहेगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए यूपीए-2 के कार्यकाल में ही सीयूईटी ऐक्ट वर्ष 2010 में पारित किया गया था, किंतु अब तक यह एक वैकल्पिक व्यवस्था थी। पिछले वर्ष 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने सीयूईटी को अपनाया था, जिनमें अपेक्षाकृत नामी-गिरामी विश्वविद्यालय शामिल नहीं थे। यूजीसी के नए फैसले के अनुसार, अब सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सत्र 2022-23 के लिए स्नातक कक्षाओं में दाखिले 12वीं की परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर न होकर सीयूईटी के स्कोर के आधार पर होंगे।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर दाखिले की पिछले कई दशकों से चली आ रही कट ऑफ वाली व्यवस्था अब खत्म हो जाएगी। अप्रैल, 2022 के पहले हफ्ते में सीयूईटी के लिए आवेदन पत्र भरे जा सकेंगे और जुलाई, 2022 में अनेक बडे. शहरों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा ऑनलाइन माध्यम से यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। पिछले साल दिल्ली विश्वविद्यालय के सात मशहूर कॉलेजों की दस स्नातक कक्षाओं के प्रवेश में कट ऑफ 100 प्रतिशत तक पहुंच गया था। इससे पूरे देश में कट ऑफ की समूची व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे।

देश में 12वीं की परीक्षाएं सीबीएसई और आईसीटीई सहित 50 से अधिक राज्य माध्यमिक बोर्डों द्वारा संचालित की जाती हैं, जिनके मूल्यांकन पैमानों में एकरूपता नहीं है। यह ठीक है कि नई व्यवस्था में कट ऑफ प्रणाली की विद्रूपताएं रोकी जा सकेंगी, किंतु फिर भी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के यूजी दाखिलों में इस नीतिगत बदलाव से देश के करोड़ों परिवारों का अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाने का सपना अभी पूरा नहीं हो पाएगा।

यूजी स्तर पर अच्छे विश्वविद्यालयों में दाखिलों के लिए देश में मारामारी जैसा माहौल क्यों चला आ रहा है? क्या यूजीसी द्वारा लागू की गई सीयूईटी की नई व्यवस्था इस व्यापक समस्या का हल कर पाएगी? हमारे देश में जो आर्थिक व सामाजिक विविधताएं और विषमताएं पाई जाती हैं, उनको देखते हुए क्या दाखिले की नई व्यवस्था यूजी दाखिले में सबको समान अवसर दे पाएगी? क्या ऑनलाइन तरीके से संचालित एमसीक्यू प्रश्नों वाली परीक्षा समाज के सभी वर्गों को समान सहूलियत या कठिनाई प्रदान करेगी? क्या नीट और जेईई की तरह इस नई व्यवस्था से कोचिंग इंडस्ट्री और अधिक ताकतवर नहीं हो जाएगी? ज्ञातव्य है कि सीयूईटी की घोषणा से पहले ही निजी कंपनियों के कोचिंग पैकेज की बिक्री शुरू है।

हमारे देश में अगर गुणवत्ता, ब्रांड व रोजगारपरकता के आधार पर विश्वविद्यालयों के चुनाव किए जाएं, तो देश के कुल 1,000 से अधिक विश्वविद्यालयों में बमुश्किल 200 ऐसे होंगे, जहां हर परिवार अपने बच्चे को पढ़ाना चाहेगा। इनमें 45 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 50 राज्य सरकारों के विश्वविद्यालय और शेष निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं। नैक के गुणवत्ता पैमानों पर भी 20 से 25 प्रतिशत विश्वविद्यालय ही खरे उतरेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, जामिया, बीएचयू, एएमयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों के दाखिलों के लिए मारामारी इसलिए होती है, क्योंकि वहां शिक्षा का स्तर श्रेष्ठ है, फीस कम है और इन जगहों पर यूजी की पढ़ाई करने से युवाओं को करियर बनाने में आसानी रहती है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्र सरकार द्वारा पोषित होने के कारण फीस बहुत कम रखते हैं, किंतु निजी नामचीन संस्थानों में कोर्स की फीस 15 लाख रुपये से 35 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। स्पष्ट है, हर मध्यवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए इसे वहन कर पाना कठिन होता है। 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 2019-20 में 7.2 लाख थी, जो देश के कुल विद्यार्थियों का सिर्फ 2.4 प्रतिशत थी। इन 7.2 लाख विद्यार्थियों में यूजी स्तर पर मात्र 5.40 लाख विद्यार्थी पंजीकृत थे। जाहिर है, सीयूईटी यद्यपि एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन यह गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अभाव का कोई प्रभावी निराकरण नहीं कर पाएगा। ज्ञातव्य है कि सीईयूटी की ऑनलाइन परीक्षा का संचालन एनटीए जुलाई, 2022 में करेगी। अच्छी बात है कि परीक्षार्थियों के पास 13 भाषाओं में से किसी भी भाषा में ऑनलाइन टेस्ट देने का विकल्प रहेगा। यूजीसी चेयरमैन एम जगदीश कुमार के अनुसार, सीईयूटी तीन घंटे की ऑनलाइन परीक्षा होगी, जिसमें हर सवाल के साथ दिए गए वैकल्पिक उत्तरों में से एक सही उत्तर पर परीक्षार्थियों को टिक करना होगा। देश की संकटग्रस्त उच्च शिक्षा प्रणाली को ढर्रे पर लाने के लिए सीयूईटी एक सराहनीय कदम है। इससे यूजी प्रवेश में बोर्ड परीक्षाओं के असंतुलित परीक्षा फलों पर निर्भरता खत्म होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया था कि ऐसी परीक्षा तभी कारगर होगी, जब वह विद्यार्थियों को ज्ञान आत्मसात करना और जीवन में उसे उपयोग करना सीखा सके। ऐसी परीक्षा को ट्यूशन लेने या कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ने की कुप्रथा को भी खत्म करना होगा। क्या हम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यह यह उम्मीद करें कि वह इन बातों को ध्यान में रखेगी? क्या हम 12 वर्षों के स्कूली अनुभव को प्रवेश परीक्षा में पूरी तरह से नकार सकते हैं? किसी भी परीक्षार्थी की प्रतिभा को सिर्फ एमसीक्यू, रीजनिंग एबिलिटी टेस्ट या ऑनलाइन परीक्षा से ही नहीं जाना जा सकता है।

उच्च शिक्षा में व्यापक सुधारों की जरूरत है, जिनकी तरफ डॉक्टर कस्तूरीरंगन कमेटी ने इशारा किया था।

सीयूईटी इस दिशा में एक प्रभावी कदम तभी होगा, जब हम इसे बड़े, दूरगामी और ढांचागत सुधारों की पहली कड़ी के रूप में देखें। भारत में उच्च शिक्षा के व्यापक विस्तार और उसमें भारी विनियोग की जरूरत है, जिसमें कोई भी देरी घातक होगी।

सीयूईटी का स्वागत है

यूजीसी ने देश की सभी 45 सेंट्रल यूनिवर्सिटी और उनसे जुड़े कॉलेजों के अंडर ग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) को अनिवार्य बनाकर शिक्षा में सुधार की एक बड़ी पहल की है। इन तमाम यूजी कोर्स में एडमिशन के दौरान अब 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हासिल नंबरों की कोई भूमिका नहीं होगी। यूजीसी ने साफ किया है कि यूनिवर्सिटी चाहें तो 12वीं के नंबरों को विभिन्न कोर्सों के एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होने की पात्रता का आधार बना सकती हैं, लेकिन एडमिशन पूरी तरह से सीयूईटी में हासिल नंबरों के ही आधार पर होगा। इस व्यवस्था का पहला स्वागत योग्य परिणाम यह होगा कि विभिन्न कॉलेजों में एडमिशन की अतार्किक ढंग से ऊंची कटऑफ लिस्ट अतीत की बात बन जाएगी।

ऊंची कटऑफ की समस्या दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में खास तौर पर देखी जाती है। कॉलेजों की ऊंची कटऑफ लाइन 2021 में भी रेकॉर्ड तोड़ती नजर आई, जबकि उस दौरान कोरोना महामारी से उपजे हालात के चलते स्कूल ज्यादातर बंद ही रहे। डीयू के सात कॉलेजों ने दस कोर्सों के लिए इस साल भी पहली कटऑफ लिस्ट 100 फीसदी नंबर की घोषित की थी। विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्डों की अलग-अलग मूल्यांकन पद्धतियों के मद्देनजर देश के अलग-अलग हिस्सों के स्टूडेंट्स के लिए यह व्यवस्था असंगत साबित हो रही थी। नई व्यवस्था इस विसंगति को दूर करेगी।

हालांकि एक झटके में जिस तरह से 12वीं की मार्क्सशीट को सब कुछ मानने वाली व्यवस्था की जगह उसे कुछ नहीं मानने वाली व्यवस्था लागू की जा रही है, उससे शुरू में कुछ दिक्कतें महसूस हो सकती हैं।

12वीं के बहुत से स्टूडेंट्स इसे लेकर आशंकित भी हैं। ध्यान रहे कि इसी साल सीबीएसई बोर्ड परीक्षा को दो अलग-अलग टर्मों में बांटा गया। यही नहीं, पहले टर्म के नंबर तब आए जब दूसरे टर्म की परीक्षाएं सिर पर आ चुकी थीं। इसके अलावा सीयूईटी परीक्षा के लिए आवेदन अप्रैल में मंगवाए जाएंगे और परीक्षा जुलाई में आयोजित की जानी है। जाहिर है, तैयारी के लिए ज्यादा वक्त नहीं होगा। कम से कम इस बैच के स्टूडेंट्स के लिए यह सब खासा तनाव पैदा करने वाला साबित हो सकता है।

बावजूद इसके, पुरानी व्यवस्था का खात्मा जरूरी था। अब नई व्यवस्था से पैदा होने वाली शुरुआती असुविधाओं के हल खोजे जाएं और यह भी याद रखा जाए कि नई व्यवस्था भी सभी समस्याओं का हल नहीं है। इसके जरिए देश भर के स्टूडेंट्स की क्वॉलिटी एजुकेशन तक पहुंच को आसान बनाने की कोशिश की गई है, पर स्टूडेंट्स की संख्या और सीटों के अनुपात को बदलने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि डीयू जैसी यूनिवर्सिटी में सीटों की संख्या प्रवेश के इच्छुक स्टूडेंट्स के मुकाबले कम ही पड़ने वाली है। यह एक बड़ी और जटिल समस्या है। जाहिर है, इसके लिए बड़े सुधार की जरूरत है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
Draw No:169 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 76E 31524
Cons. Prize Rs.1000/- 31524 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
24134 28534 29525 38973 40203 47939 69135 88016 91493 99665
3rd Prize ₹450/-
0343 1908 2262 6432 6586 6934 7446 7464 8965 9278
4th Prize ₹250/-
0188 0587 1538 4502 5457 5626 8519 8960 9670 9939
5th Prize ₹120/-
0028 0060 0076 0094 0161 0300 0329 0363 0504 0527
0579 0714 0735 1129 1207 1278 1355 1429 1453 1484
1520 1691 1940 1971 2144 2210 2232 2630 2929 3024
3197 3499 3542 3597 3642 3818 4079 4097 4128 4170
4224 4293 4303 4311 4420 4484 4516 4599 4634 4762
4953 5214 5248 5444 5582 5913 5944 5976 5995 6269
6353 6388 6616 6619 6648 6776 6802 6812 6933 6961
7120 7275 7290 7313 7316 7406 7477 7547 7614 7718
7735 7778 7823 7859 7996 8027 8150 8162 8201 8335
8511 8516 8541 8599 8764 8779 9307 9428 9471 9774
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
Draw No:69 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 50C 44875
Cons. Prize Rs.1000/- 44875 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00489 04988 19200 26385 33728 57513 66018 78243 88250 98501
3rd Prize ₹450/-
0744 1057 1376 5162 5285 8053 8644 8867 9437 9819
4th Prize ₹250/-
0283 0378 1132 2234 3455 4416 4819 7056 7781 9390
5th Prize ₹120/-
0036 0037 0244 0396 0459 0547 0568 0610 0790 0882
0951 1293 1350 1629 2034 2090 2154 2208 2272 2284
2359 2376 2693 2705 2773 3019 3119 3151 3255 3294
3300 3633 3789 3808 3832 3839 3888 4117 4286 4723
4779 4803 4876 5129 5146 5353 5582 5710 5739 5906
5916 5991 5992 6043 6085 6086 6271 6326 6384 6440
6447 6466 6469 6670 6677 6784 6843 7121 7298 7309
7310 7362 7364 7370 7398 7451 7464 7535 7638 7668
7711 7736 7839 7906 7966 8407 8622 8643 8879 8941
9111 9145 9208 9269 9295 9400 9601 9615 9732 9840
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
Draw No:69 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88G 83886
Cons. Prize Rs.1000/- 83886 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03393 11779 18239 47754 52968 57525 67023 69898 70031 75445
3rd Prize ₹450/-
0694 1346 1966 3218 5886 6079 6819 7152 8338 8646
4th Prize ₹250/-
0810 2425 2654 2860 5105 6253 7237 8094 8418 8703
5th Prize ₹120/-
0070 0103 0154 0201 0208 0234 0279 0546 0659 1006
1264 1602 1637 1763 1831 1961 2076 2264 2339 2355
2433 2546 2693 2711 2764 2972 3067 3099 3106 3111
3173 3298 3574 3752 3811 3836 3911 3938 3948 4043
4232 4274 4514 4820 4830 4864 4881 4974 5044 5051
5127 5285 5298 5442 5488 5601 5774 5798 5799 5928
6216 6244 6285 6298 6323 6337 6370 6447 6497 6682
6798 6863 7089 7131 7141 7165 7183 7369 7479 7592
7901 7924 8203 8216 8270 8283 8405 8593 8765 8836
8921 9090 9175 9176 9276 9548 9578 9628 9807 9974
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 20 FORTNIGHTLY
Draw No:5 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹10LAKHS/- B 94132
2nd Prize ₹3000/-
0728 0729 1881 2333 2342 2979 3385 7096 9086 9990
3rd Prize ₹1000/-
0173 1925 2022 2435 4330 5194 5434 6686 7426 7698
4th Prize ₹500/-
1461 1752 1996 5098 7022 7835 7981 9243 9842 9863
5th Prize ₹100/-
0387 3314 3538 3669 7328 7557 8875 8893 9323 9773
6th Prize ₹50/-
0184 0211 0226 0246 0325 0405 0538 0572 0670 0874
0979 1005 1050 1157 1191 1713 1721 1783 1810 1863
1927 1928 2089 2114 2180 2200 2491 2695 2722 2866
2984 2997 3114 3201 3335 3416 3469 3544 3615 3723
3746 3792 3836 3950 3954 3991 3998 4075 4240 4362
4406 4438 4587 4646 5135 5138 5251 5355 5387 5395
5566 5614 5785 5866 6059 6513 6609 6660 6682 6939
7052 7110 7156 7295 7305 7373 7559 7875 7877 8107
8187 8332 8387 8459 8495 8537 8634 8906 8954 8975
9004 9029 9100 9116 9192 9475 9484 9622 9764 9926
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 OSTRICH FRIDAY
Draw No:10 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 04080
2nd Prize ₹9000/-
0620 1263 1653 3648 4072 5748 6371 8617 9708 9775
3rd Prize ₹5000/-
0544 1310 1378 1411 2483 2641 4077 7473 8439 9307
4th Prize ₹2000/-
0829 1245 1504 4007 4487 4574 5048 5652 6272 6942
5th Prize ₹1000/-
0671 2474 3487 4126 4924 5315 6494 7420 8283 8807
6th Prize ₹500/-
0010 0353 0382 0406 0440 0511 0628 0631 0782 1080
1095 1186 1233 1379 1487 1815 2278 2368 2427 2515
2717 2985 3027 3150 3157 3168 3470 3476 3492 3566
3704 3801 3823 4070 4098 4155 4186 4214 4219 4264
4323 4345 4377 4424 4652 4716 4802 5254 5272 5283
5432 5563 5713 5739 5823 5917 6218 6249 6399 6416
6441 6490 6747 6805 7038 7231 7370 7461 7479 7510
7677 7700 7787 7948 8004 8105 8152 8182 8210 8250
8416 8462 8579 8702 8986 9170 9292 9327 9343 9434
9459 9524 9591 9668 9728 9738 9750 9780 9882 9891
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI ONYX FRIDAY
Draw No:10 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹10,000/- 7989
2nd Prize ₹5,000/- 2540
3rd Prize ₹500/- 3972
4th Prize ₹300/- 5711
5th Prize ₹200/- 8447
6th Prize ₹100/-
0046 0073 0106 0180 0226 0230 0235 0290 0363 0374
0382 0385 0392 0413 0418 0439 0453 0499 0530 0535
0580 0603 0621 0692 0723 0742 0768 0775 0814 0847
0859 0870 0887 0901 0913 0955 0967 1091 1108 1114
1123 1176 1181 1189 1247 1362 1371 1407 1437 1452
1478 1555 1557 1578 1588 1589 1590 1605 1690 1753
1789 1797 1811 1839 1848 1858 1860 1920 1936 1959
1973 1992 2012 2018 2043 2056 2083 2187 2231 2261
2309 2322 2324 2382 2387 2428 2483 2485 2521 2541
2549 2556 2600 2610 2721 2724 2780 2800 2809 2833
2896 2919 2921 2951 2977 2979 3006 3063 3087 3101
3105 3175 3229 3233 3255 3258 3263 3275 3294 3316
3345 3389 3423 3426 3448 3455 3516 3517 3561 3601
3610 3626 3690 3693 3720 3723 3734 3794 3817 3853
3908 3932 3958 4000 4031 4057 4070 4085 4125 4145
4204 4225 4229 4249 4273 4294 4314 4343 4433 4443
4445 4486 4496 4513 4516 4525 4532 4538 4567 4638
4649 4670 4680 4682 4698 4708 4720 4756 4765 4768
4821 4823 4853 4887 4914 4936 4958 5048 5052 5063
5101 5104 5111 5121 5143 5151 5155 5205 5226 5233
5264 5273 5292 5320 5330 5383 5414 5415 5438 5515
5537 5556 5558 5564 5570 5591 5649 5658 5687 5722
5771 5820 5899 5908 5911 5988 5995 6000 6026 6048
6052 6117 6145 6179 6193 6196 6268 6271 6276 6322
6345 6351 6363 6395 6424 6426 6437 6476 6477 6493
6518 6543 6546 6566 6578 6582 6675 6676 6692 6708
6739 6746 6796 6829 6924 6933 6960 6980 6991 7002
7026 7037 7040 7084 7099 7112 7129 7152 7190 7215
7248 7269 7274 7316 7341 7348 7360 7382 7388 7402
7465 7479 7483 7490 7518 7520 7563 7578 7693 7734
7782 7845 7860 7866 7869 7901 7932 7947 7955 7969
7987 8006 8030 8088 8096 8112 8193 8196 8205 8240
8322 8395 8472 8496 8539 8542 8570 8576 8600 8601
8616 8627 8687 8716 8721 8727 8771 8801 8827 8831
8850 8866 8889 8898 8931 8952 8962 8976 8981 8989
9035 9083 9099 9113 9220 9229 9244 9259 9262 9333
9344 9390 9396 9415 9444 9448 9507 9511 9541 9550
9557 9561 9564 9567 9594 9604 9612 9645 9680 9759
9768 9794 9819 9828 9832 9866 9874 9886 9897 9975
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI SAPPHIRE FRIDAY
Draw No:10 DrawDate on:25/03/22
1st Prize ₹10,000/- 6838
2nd Prize ₹5,000/- 3782
3rd Prize ₹500/- 0187
4th Prize ₹300/- 7229
5th Prize ₹200/- 6850
6th Prize ₹100/-
0005 0029 0092 0183 0199 0252 0255 0260 0285 0291
0292 0315 0348 0382 0442 0445 0450 0470 0476 0527
0542 0563 0578 0626 0659 0754 0801 0806 0809 0824
0857 0869 0920 0954 0970 0977 0992 1042 1082 1159
1163 1200 1251 1279 1359 1372 1465 1469 1476 1480
1490 1542 1552 1562 1567 1606 1621 1635 1676 1768
1851 1889 1941 2004 2007 2018 2036 2059 2064 2117
2150 2162 2177 2281 2297 2302 2311 2313 2322 2338
2344 2378 2428 2457 2481 2518 2548 2554 2565 2575
2596 2690 2708 2709 2738 2761 2764 2787 2795 2805
2827 2842 2926 2953 2964 2971 2995 3007 3011 3056
3063 3066 3107 3109 3115 3130 3150 3179 3220 3240
3251 3318 3391 3406 3428 3459 3474 3486 3521 3529
3567 3588 3613 3619 3632 3637 3639 3660 3749 3759
3805 3813 3838 3842 3915 3917 3952 3969 3971 4003
4047 4061 4076 4083 4149 4152 4209 4236 4238 4269
4282 4284 4290 4299 4324 4345 4363 4367 4406 4413
4418 4419 4432 4539 4557 4573 4577 4585 4588 4624
4640 4648 4663 4683 4732 4739 4832 4875 4885 4920
4969 4986 4990 4994 4995 4999 5061 5071 5109 5144
5157 5184 5196 5200 5229 5261 5296 5333 5363 5424
5426 5449 5450 5455 5459 5484 5497 5498 5563 5609
5617 5651 5653 5661 5714 5728 5777 5782 5820 5840
5842 5847 5894 5971 5973 6031 6096 6142 6151 6164
6201 6227 6261 6289 6297 6298 6331 6349 6357 6415
6421 6422 6459 6486 6488 6490 6538 6539 6554 6591
6618 6643 6694 6697 6699 6701 6732 6749 6795 6857
6911 6929 7001 7039 7090 7120 7158 7163 7197 7240
7264 7382 7395 7440 7443 7448 7458 7515 7550 7561
7587 7595 7603 7619 7622 7631 7651 7717 7725 7742
7760 7776 7785 7812 7824 7840 7857 7874 7893 7894
7941 7956 7962 7989 8034 8057 8079 8141 8143 8180
8189 8206 8252 8267 8362 8382 8410 8442 8469 8476
8480 8533 8537 8548 8557 8625 8651 8658 8660 8665
8677 8709 8721 8722 8768 8776 8830 8883 8911 8961
8966 8987 9005 9006 9065 9161 9169 9177 9201 9207
9232 9236 9265 9276 9280 9330 9352 9356 9378 9410
9419 9434 9507 9543 9605 9616 9652 9743 9769 9770
9775 9784 9851 9885 9892 9925 9927 9928 9949 9974
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्ट्रट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छप्पर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम ह्याउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

सार समाचार

अमेरिका यूक्रेन के 1,00,000 शरणार्थियों को पनाह देगा

वाशिंगटन। अमेरिका रूस के हमले के कारण यूक्रेन से पलायन करने वाले 35 लाख लोगों में से एक लाख तक शरणार्थियों को अपने देश में पनाह देगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बारे में आधिकारिक तौर पर घोषणा बृहस्पतिवार को होगी। व्हाइट हाउस पिछले कई सप्ताह से कहता रहा है कि अमेरिका यूक्रेन के शरणार्थियों का स्वागत करेगा लेकिन अधिकारियों का अनुमान है कि अधिकतर शरणार्थी यूरोप में ही रहना पसंद करेंगे। शरणार्थी एजेंसियों ने जो बाइडन प्रशासन से कुछ और कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा है कि अमेरिका यूक्रेन के लोगों के आगमन की प्रक्रिया को तेज करे। इससे पहले बाइडन प्रशासन ने 2022 बजट वर्ष के लिए शरणार्थियों की संख्या 1,25,000 तक सीमित करने की घोषणा की थी। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में इस संख्या में 15,000 की कटौती की गई थी।

यूक्रेन में मानवीय संकट के लिए रूस जिम्मेदार: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एपी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारी सहमति से एक प्रस्ताव पारित करके यूक्रेन में मानवीय संकट के लिए रूस को दोषी ठहराया है। प्रस्ताव में तुरंत संघर्ष विराम लागू करने और लाखों नागरिकों समेत घरों, स्कूलों और अस्पतालों की सुरक्षा करने की अपील की गई है। बृहस्पतिवार को यह प्रस्ताव पांच के मुकाबले 140 मतों से पास हो गया। इस प्रस्ताव के विरोध में मतदान करने वाले पांच देशों में बेलारूस, सीरिया, उत्तर कोरिया और इरीट्रिया और रूस शामिल हैं। प्रस्ताव रूस की आक्रामकता के 'गंभीर मानवीय परिणामों' की निंदा करता है।प्रस्ताव मे कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पिछले कई दशकों में इतना बड़ा मानवीय संकट यूरोप में नहीं देखा। इसमें रूस की गोलाबारी, हवाई हमले और दक्षिणी शहर मारियुपोल सहित घनी आबादी वाले शहरों की 'घेराबंदी' की निंदा की गई है। प्रस्ताव में मानवीय सहायता के लिए निर्बाध पहुंच की मांग की गई है। मतदान गत दो मार्च को लाए गए प्रस्ताव पर हुए मतदान की तरह था। वह प्रस्ताव भी पांच के मुकाबले 141 देशों के समर्थन से पास हो गया था और 35 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया था। रूस ने इस प्रस्ताव को रूस विरोधी बताकर खारिज कर दिया है। रूस ने कहा कि प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देश मानवीय स्थिति को लेकर चिंतित नहीं हैं, बल्कि वह सहायता का भी राजनीतिकरण करना चाहते हैं। इसके पहले एक रूसी प्रस्ताव पर मतदान के दौरान मास्को को हार का समाना करना पड़ा था। रूसी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने के लिए 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में से कम से कम नौ मत चाहिए थे और स्थायी सदस्यों में से किसी की तरफ से वीटो नहीं होना चाहिए। स्थीय सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस शामिल हैं। लेकिन रूस को केवल एक मत चीन का मिला, जबकि 13 अन्य सदस्य देश अनुपस्थित रहे। ब्रिटेन की संयुक्त राष्ट्र में राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने रूसी प्रस्ताव को 'सनकी प्रयास' बताया जो संकट का दोहन करने के लिए है। लेकिन रूसी राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूसी प्रस्ताव अन्य देशों के मानवीय प्रस्ताव की तरह राजनीतिक नहीं है। अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा कि रूस परिषद का इस्तेमाल करके अपनी क्रूरता पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहा है।

चीन में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया

बीजिंग। चीन में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक विमान के बरामद किए गए ब्लैक बॉक्स को 'डीकोड' करने के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है और डेटा का विश्लेषण जारी है। चीन के नागरिक विमानन प्रशासन के विमानन सुरक्षा कार्यालय के प्रमुख झू ताओ ने बृहस्पतिवार को बताया कि क्षतिग्रस्त हालत में मिले ब्लैक बॉक्स को बीजिंग स्थित प्रयोगशाला में बुधवार रात को भेजा गया है। एक ब्लैक बॉक्स या कॉकपिट रिकॉर्डर में इंजन की आवाज, 'ऑडियो अलर्ट' और 'बैकग्राउंड साउंड' कैद हो जाते हैं। इसके मिलने से दुर्घटना का उचित कारण पता चल सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, झू ने कहा कि विमान के दूसरे ब्लैक बॉक्स को ढूंढने के लिए दक्षिणी चीन में आसपास व्यापक क्षेत्र में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। चीन के कुनमिंग शहर से गुआनझो जा रहा 'चाइना ईस्टर्न' का विमान बोईंग 737-800 वुझोउ शहर के एक पर्वतीय क्षेत्र में सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में 132 लोग सवार थे, जिनमें से अब तक किसी का पता नहीं चल पाया है। रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण लगातार दूसरे दिन तलाश अभियान बाधित हुआ। बृहस्पतिवार को घटनास्थल से इंजन के मलबे के कुछ हिस्से मिले हैं। गुआंगशी क्षेत्र के दमकल प्रमुख झेंग शी अबतक विमान के मलबे के 183 हिस्से, पीड़ितों के अवशेष और सामान मिला है जिसे जांचकर्ता टीम को सौंप दिया गया है। अभियान में जुटे कर्मी घने जंगलों तथा खड़ी ढलानों पर हाथ के औजारों, मेटल डिटेक्टर, ड्रोन और श्वान दस्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। 'सीसीटीवी' की फुटेज में पुलिसकर्मी बृहस्पतिवार को हरे एवं गहरे रंग के ह्यरेन गियर' (बरसाती पोशाक) पहने नजर आए। कुछ के हाथ में फावड़े या हंसिया जैसे औजार भी दिखे।

रूस के सहयोगी बेलारूस ने तीसरे विश्व युद्ध के लिए किया आगाह

लवीव । रूस के सहयोगी देश बेलारूस के एक प्रमुख नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन में पश्चिमी शांतिरक्षक बलों को तैनात करने संबंधी पोलैंड का प्रस्ताव तीसरा विश्व युद्ध भड़का सकता है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पोलैंड के पिछले सप्ताह किए गए शांति मिशन की पेशकश की ओर इशारा करते हुए गुरुवार को कहा, 'इसका मतलब तीसरा विश्व युद्ध होगा।'

बेलारूस रूस का सहयोगी है और उसने रूस को यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है उन्होंने कहा, 'हालात बेहद गंभीर और तनावपूर्ण हैं।'

उत्तरी शहर चेर्निहिव के एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा है कि आबादी के लिए तबाही सामने है क्योंकि रूसी सैनिक जानबूझकर खाद्य भंडार को निशाना बना रहे हैं। इस हफ्ते एक हवाई हमले में देसना नदी पर बना पुल नष्ट हो गया, जो यूक्रेन-नियंत्रित क्षेत्र से दक्षिण में भोजन और अन्य सहायता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग था। शहर परिषद के सचिव ओलेक्जेंडर लोमाको ने कहा, इस पुल के जरिए ही मानवीय मदद, दवाइयां और भोजन शहर में आए जाते थे। उन्होंने हालांकि दावा किया कि शहर पूरी तरह से यूक्रेनी सैनिकों के कब्जे में है।

इक्वेडोर में गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अन्य लोगों के साथ एक जनजातीय समुदाय की महिला भी शामिल हुई।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किए बिना ही नेशनल असेंबली का सत्र स्थगित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली का महत्वपूर्ण सत्र प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किये बिना ही स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष असद कैसर ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद खयाल जमन के निधन के चलते सत्र को 28 मार्च शाम चार बजे तक के लिये स्थगित किया जाता है। नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष शाहबाज शरीफ, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो, सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी समेत कई प्रभावशाली विपक्षी सांसद बहुप्रतीक्षित सत्र में भाग लेने के लिये शुक्रवार को संसद में मौजूद थे। विपक्षी नेताओं ने सत्र स्थगित करने को लेकर विरोध प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि आठ मार्च को विपक्षी पार्टियों द्वारा नेशनल असेंबली के सचिवालय में इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद से देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि खान नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की सरकार देश में आर्थिक संकट और बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार है। इमरान खान (64) इन दिनों अपनी सरकार बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। असेंबली के अध्यक्ष कैसर ने जैसे ही सत्र स्थगित किया, विपक्षी नेता विरोध प्रकट करने लगे। उन्होंने अध्यक्ष से प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगी, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी और अपने कक्ष की ओर चले गए। स्पीकर ने कहा कि अगले सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लाने पर फैसला लिया जाएगा नियमों के अनुसार प्रस्ताव नेशनल असेंबली के समक्ष रखे जाने के कम से कम तीन से सात दिन के बीच उसपर मतदान होना चाहिये।

पाक पीएम इमरान खान को मिली और राहत, बिना अविश्वास प्रस्ताव के सदन की कार्यवाही स्थगित

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

मुश्किलों से घिरे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को कुछ और दिनों के लिए राहत मिल गई है। शुक्रवार को पाकिस्तान की संसद में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आना था, लेकिन उसके पहले ही सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई है। अब 28 फरवरी को सत्र का आयोजन होगा। इसका सीधा अर्थ हुआ कि इमरान खान को अपनी सरकार बचाने के लिए तीन दिन की और मोहलत हो गई है। इस सत्र के दौरान पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की पार्टी के नेता शाह महमूद कुरैशी, शिरीन मजारी, असद उमर और अली मुहम्मद खान भी मौजूद थे। वहीं विपक्ष की ओर से नेता शहबाज शरीफ, पीपीपी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी और आसिफ अली जरदारी भी मौजूद थे।

कुरान की आयतों के साथ शुरू हुए सत्र में दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई और सदन की कार्यवाही को प्रस्ताव पेश किए बिना ही स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को ही पाकिस्तानी संसद के सचिवालय की ओर से शुक्रवार के लिए 15 सूत्रीय एजेंडा जारी किया गया था। इसमें से एक अविश्वास प्रस्ताव भी था। हालांकि यह पेश नहीं हो सका। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीपीपी के नेता आसिफ अली जरदारी ने कहा था कि यदि आज प्रस्ताव पेश न हुआ तो हंगामा होगा। वहीं विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने कहा कि हम आज के सत्र में प्रस्ताव पेश करेंगे। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो फिर सभी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के विपक्षी दलों की ओर से 8 मार्च को अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया गया था। नियम के मुताबिक नोटिस मिलने के 14 दिनों के अंदर सत्र बुलाना होता है। इसकी आखिरी तारीख 21 मार्च ही थी, लेकिन सचिवालय ने 25 मार्च को सत्र के आयोजन का फैसला लिया। इसके बाद आज भी प्रस्ताव पेश नहीं हो पाया। गौरतलब है कि इमरान खान के पाकिस्तानी सेना से भी मतभेद की खबरें काफी समय से आती रही हैं। माना जा रहा है कि विपक्ष की एकजुटता के पीछे सेना का भी हाथ है, जो उसे लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

जेलेंस्की ने नाटो से सैन्य मदद बढ़ाने का आग्रह किया

ब्रसेल्स (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की आपात बैठक को संबोधित करते हुए असीमित सैन्य सहायता की अपील की। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और दूसरे देशों के नेता नाटो सदस्यों के साथ आपात बैठकें करने वाले हैं। जेलेंस्की ने नाटो के साथ पहली बैठक की है। जेलेंस्की ने वीडियो के जरिये बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे हम पश्चिमीदेशों और रूस के बीच फंसे हुए हैं और अपने साझा मूल्य की रक्षा कर रहे हैं।

एक युद्ध के दौरान सबसे भयावह होता है जब हमें मदद मांगने पर स्पष्ट नहीं उत्तर नहीं मिलते। बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि जेलेंस्की ने यूक्रेन में उड़ान निषिद्ध क्षेत्र घोषित करने की मांग नहीं दोहराई जिसे नाटो पहले ही खारिज कर चुका है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे किसी भी कदम से नाटो और रूस के बीच प्रत्यक्ष टकराव पैदा हो सकता है। बाइडन के अनुसार इससे तृतीय विश्व युद्ध छिड़ सकता है। इससे पहले, जेलेंस्की ने दुनियाभर के लोगों से सार्वजनिक रूप से एकत्रित होकर अपने संकटग्रस्त देश के प्रति एकजुटता प्रकट करने के अनुरोध किया। जेलेंस्की ने कीव में राष्ट्रपति कार्यालय के निकट बृहस्पतिवार रात रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा, अपने घरों से बाहर निकलें और आवाज उठाएं। बताएं कि लोग मायने रखते हैं। स्वतंत्रता मायने रखती है। शांति मायने रखती है। यूक्रेन मायने रखता है। बाइडन बृहस्पतिवार को नाटो सदस्यों, जी-7 समूह के नेताओं और यूरोपीय परिषद के साथ सिलसिलेवार बैठकें करने वाले हैं, जिनमें रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के अलावा यूक्रेन को और अधिक सैन्य सहायता प्रदान करने पर चर्चा की जा सकती है।

रूस को जी-20 से बाहर करना चाहता हूं: बाइडन

ब्रसेल्स (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह चाहते हैं कि रूस को जी (समूह) -20 से बाहर कर दिया जाए। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर नाटो की आपात बैठकों के बाद ब्रसेल्स में बृहस्पतिवार को बाइडन ने उक्त टिप्पणी की। जी-20, 19देशों और यूरोपीय संघ का अंतर सरकारी मंच है जो प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर काम करता है। बाइडन ने कहा कि उन्होंने बृहस्पतिवार को अन्य वैश्विक नेताओं के साथ मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि समूह से रूस को बाहर किया जाए अगर इससे इंडोनेशिया और अन्य असहमत होंगे तो वह कहेंगे कि यूक्रेन के नेताओं को बातचीत में शामिल होने की अनुमति दी जाए। बाइडन और पश्चिमी सहयोगियों ने बृहस्पतिवार को रूस पर नए प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को मानवीय सहायता देने का नया संकल्प लिया।

मानवीय संकट को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव लाये जाने पर भारत अनुपस्थित रहा

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

युद्ध के कारण यूक्रेन में उत्पन्न मानवीय संकट की स्थिति को लेकर पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों द्वारा लाए गए प्रस्ताव के दौरान भारत बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अनुपस्थित रहा। भारत ने कहा कि ध्यान शत्रुता समाप्त करने और तत्काल मानवीय सहायता पर केंद्रित किया जाना चाहिए और मसौदा इन चुनौतियों पर नयी दिल्ली के अपेक्षित ध्यान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा मसौदा प्रस्ताव 'यूक्रेन पर आक्रमण के मानवीय परिणाम' को पारित किया, जिसमें 140 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया, पांच ने इसके खिलाफ मतदान किया जबकि 38 मतदान से दूर रहे। भारत प्रस्ताव से दूर रहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने प्रस्ताव पारित होने के बाद वोट की व्याख्या में कहा, 'हम दृढ़ता से मानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों को संघर्ष को कम करने में योगदान देना चाहिए, बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की सुविधा प्रदान करनी चाहिए और लोगों की पीड़ा को तत्काल समाप्त करने के लिए पक्षों को एकसाथ लाना चाहिए।' तिरुमूर्ति ने भारत के तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान को दोहराते हुए कहा, 'हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता को रेखांकित करना जारी रखे हुए हैं। भारत प्रस्ताव से दूर रहा क्योंकि अब हमें जो चाहिए वह शत्रुता की समाप्ति और तत्काल मानवीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करना है। मसौदा प्रस्ताव इन चुनौतियों पर हमारे अपेक्षित ध्यान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है।' तिरुमूर्ति ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत मौजूदा स्थिति पर गहराई से चिंतित है जो शत्रुता की शुरूआत से तेजी से बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के परिणामस्वरूप नागरिकों की मौत हुई है और लगभग एक करोड़ लोग या तो आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं या पड़ोसी देशों में चले गए हैं।

पहले ही युद्ध से परेशान चल रही दुनिया की टेंशन क्यों बढ़ा रहे हैं किम जोंग उन ?

काबुल। (एजेंसी)

दुनिया अभी रूस और यूक्रेन के बीच महीने भर से छिड़े युद्ध को लेकर परेशान है। सब ओर से शांति की अपीलें की जा रही हैं लेकिन इस विश्व में कुछ लोग ऐसे हैं जो अशांति फैलाने में विश्वास रखते हैं। ऐसे ही लोगों में से एक हैं उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन जो जब तब दुनिया की टेंशन बढ़ाते हुए सबका अटेंशन अपनी ओर खींचते रहते हैं। अब अपने वादे से मुकरते हुए उन्होंने सबसे बड़ी अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किए जाने की पुष्टि की है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका के साथ 'लंबे समय से जारी टकराव' के मद्देनजर तैयारी करते हुए उत्तर कोरिया अपनी परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है। अगर वाकई ऐसा है तो यह अमेरिका के लिए गंभीर चिंता की बात है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार को आधुनिक बनाने के लिए तेजी से कार्रवाई कर रहा है और ठप पड़ी परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के बीच अमेरिका पर रियायतें देने के लिए इसके जरिये दबाव डालना चाहता है।

मिसाइल की ताकत

जहां तक इस मिसाइल की बात है तो आपको बता दें कि उत्तर कोरिया की आधिकारिक ह्यकोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि ह्वासोंग-17 (आईसीबीएम) 6,248 किलोमीटर (3,880 मील) की अधिकतम ऊंचाई पर पहुंची और उत्तर कोरिया तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 67 मिनट में 1,090 किलोमीटर (680 मील) का सफर तय किया। उत्तर कोरियाई एजेंसी ने दावा किया कि परीक्षण ने वांछित तकनीकी उद्देश्यों को पूरा किया और यह साबित करता है कि आईसीबीएम प्रणाली को युद्ध की स्थिति में तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है।

यह तो हुई उत्तर कोरियाई एजेंसी की बात। शायद आप उसकी बातों पर विश्वास नहीं करें लेकिन हम आपको बता दें कि दक्षिण कोरियाई और जापानी सेनाओं ने भी उत्तर कोरिया के प्रक्षेपण के बारे में ऐसे ही विवरण दिये थे। दक्षिण कोरिया तथा जापान ने कहा था कि 2017 के बाद से अपने पहले लंबी दूरी के परीक्षण में उत्तर कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग के पास एक हवाई अड्डे से एक आईसीबीएम का प्रक्षेपण किया है।

किम के इरादे इस बार खतरनाक हैं

इस परीक्षण के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि मिसाइल 15,000 किलोमीटर (9,320 मील) तक के लक्ष्य को निशाना बना सकती है, अगर उसे एक टन से कम वजन वाले 'वारहेड' (आयुध) के साथ सामान्य प्रक्षेप-पथ पर दागा जाए। हम आपको बता दें कि उत्तर कोरियाई एजेंसी ने मिसाइल के प्रक्षेपण की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। तस्वीरों में देश के नेता किम जोंग-उन मुस्कराते हुए ताली बजाते नजर आ रहे हैं। एजेंसी ने किम के हवाले से कहा कि उनका नया हथियार उत्तर कोरिया की परमाणु ताकतों के बारे में दुनिया को एक स्पष्ट संदेश देगा। उत्तर कोरियाई एजेंसी ने कहा कि किम ने अपनी सेना को एक अभूतपूर्व एवं तमाम तकनीक से लैस सेना बनाने का संकल्प किया है जो किसी भी सैन्य खतरे तथा धमकी से न डरे और अमेरिकी साम्राज्यवादियों के साथ लंबे समय से चले आ रहे टकराव का सामना करने के लिए खुद को पूरी तरह से तैयार कर ले।

दक्षिण कोरिया का पलटवार

दूसरी ओर, दक्षिण कोरियाई सेना ने जल, थल और हवा से अपनी मिसाइल का परीक्षण कर उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण का जवाब दिया है। दक्षिण कोरिया ने यह भी कहा है कि उसकी उत्तर कोरियाई मिसाइल परीक्षण केन्द्र और इसके कमान एवं सुविधा केन्द्र पर सटीक निशाना साधने की पूरी तैयारी है। अंतर-कोरियाई मामलों पर गौर करने वाले, दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने आईसीबीएम परीक्षणों पर अपने खुद के निलंबन को तोड़ने के लिए उत्तर कोरिया की आलोचना की। मंत्रालय के प्रवक्ता चा दे ओक-चियोल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "उत्तर कोरिया की मंशा चाहे जो भी हो, उत्तर कोरिया को तत्काल यह कार्रवाई रोकनी चाहिए, जो कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव उत्पन्न करती है और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति को अस्थिर करती है।" चियोल ने कहा कि उत्तर कोरिया को बातचीत की राह पर लौटना चाहिए।

अमेरिका, जापान चिंतित

उधर, अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन ने दक्षिण कोरिया तथा जापान के अपने समकक्षों को फोन किया और उनसे उत्तर कोरियाई मिसाइल गतिविधियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर चर्चा की तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करने का संकल्प किया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि अमेरिका ने उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रम के लिए संवेदनशील सामग्री मुहैया कराने के लिए रूस और उत्तर कोरिया में पांच इकाइयों तथा लोगों के खिलाफ नए प्रतिबंध भी लगाए हैं। इस बीच, जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने कहा कि उन्होंने दक्षिण कोरियाई समकक्ष चुंग यूई-योंग से फोन पर बात की और दोनों नेता, उत्तर कोरियाई खतरे के खिलाफ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने तथा उत्तर कोरिया के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्रवाई की मांग करने पर सहमत हुए।

उत्तर कोरिया की हिमाकत बढ़ती जा रही है

हम आपको बता दें कि यह इस साल उत्तर कोरिया का 12वां प्रक्षेपण था। इसके अलावा पिछले रविवार को उत्तर कोरिया ने समुद्र में संदिग्ध गोले भी दागे थे। उत्तर कोरिया, 2017 में तीन आईसीबीएम परीक्षणों के साथ अमेरिका की सरजमीं तक पहुंचने की क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे बड़ी मिसाइल ह्वासोंग-17 विकसित करने का मकसद, उत्तर कोरिया द्वारा मिसाइल रक्षा प्रणालियों को और आगे बढ़ाने के लिए उसे कई हथियारों से लैस करना भी हो सकता है। ह्वासोंग-17 मिसाइल के बारे में सबसे पहले अक्टूबर 2020 में दुनिया को पता चला था।

वादे से पलट गये किम जोंग उन

हम आपको यह भी याद दिलाना चाहेंगे कि साल 2018 में उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बातचीत के बाद लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण पर रोक लगा दी थी। लेकिन साल 2020 में किम जोंग पलट गए। उन्होंने कहा- हम इस समझौते से बंधे हुए नहीं हैं और अब एक बार फिर परीक्षण करके अमेरिका को बता दिया कि उसकी मिसाइल दुनिया के सबसे ताकतवर देश तक भी पहुँच सकती है। वैसे संयुक्त राष्ट्र ने भी उत्तर कोरिया पर बैलिस्टिक और परमाणु हथियारों के परीक्षण पर रोक लगा रखी है, लेकिन किम के शासन में उत्तर कोरिया लगातार इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करते आया है। देखना होगा कि क्या संयुक्त राष्ट्र उत्तर कोरिया पर कोई कार्रवाई कर पाता है? क्योंकि प्रस्ताव तो उसने अब तक रूस के खिलाफ भी कई पारित कर दिये हैं लेकिन यूक्रेन पर रूसी हमले अब तक बंद नहीं हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में पाक को हराकर सीरीज जीती

लाहौर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस मैच में पाकिस्तान टीम को जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 351 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम अपनी दूसरी पारी में 235 रन पर ही ऑल आऊट हो गई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने 115 रनों से यह मैच जीत लिया। इस मैच में पाक कप्तान बाबर आजम से बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह भी 55 रनों पर आउट हो गये। सबसे ज्यादा 70 रन इमाम उल हक ने बनाये।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले खेलते हुए अपनी पहली पारी में 391 रन बनाए थे। जिसके बाद पाक टीम अपनी पहली पारी में 268 रनों ही बना पायी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 123 रनों की बढ़त मिल गयी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने उसमान ख्वाजा के शतक की सहायता से अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 227 रन बनाकर घोषित कर दी ओर पहली पारी की बढ़त के आधार पर पाक टीम को जी के लिए 351 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में पाकिस्तानी टीम ने अच्छी शुरूआत की पर इसके बाद उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने बिखर गये।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने पांच जबकि पैट कमिंस ने तीन विकेट विकेट लिए। एक विकेट कैमरुन ग्रीन को मिला। इस सीरीज के पहले दोनो मैच ड्रॉ रहे थे।

ओसाका की मियामी ओपन में एक और जीत, 11 वरीय खिलाड़ी बाहर

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने आसान जीत के साथ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन 11 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण पिछले कुछ समय में कई टूर्नामेंट से बाहर रहने के कारण विश्व रैंकिंग में 77वें नंबर पर खिसकने वाली और यहां गैरवरीयता प्राप्त ओसाका ने जर्मनी की 13वीं वरीयता प्राप्त एंजेलिक कर्बर को 6-2, 6-3 से पराजित किया।

यह असल में महिला वर्ग में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के लिए हार का दिन था। रोमानिया की इरिना-कैमेलिया बेगू ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्य सबलेंका को 6-4, 6-4 से हराया जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटेविट अमेरिका की 21 वर्षीय अमेरिकी एन ली से 6-0, 3-6, 6-4 से हार गयी। महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता देखना पड़ा उनमें नंबर छह कारोलिना पिलिसकोवा, नंबर 11 एम्मा रादुकानु, नंबर 15 एलिना स्वितोलिना, नंबर 18 लैला फर्नांडीज, नंबर 19 तमारा जिदानसेक, नंबर 25 डारिया कसातकिना, नंबर 31 एलाइज कॉर्नेट और नंबर 32 सारा सोरिब्स टॉर्मो शामिल हैं।

पुरुष वर्ग में जीत दर्ज करने वालों में दो बार के मियामी ओपन विजेता एंडी मर्रे भी शामिल हैं। उन्होंने फेडेरिको डेलबोनिस पर 7-6 (4), 6-1) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव से होगा। पिछले साल मियामी में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने पहले दौर के मैच में स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-1, 6-1 से हराया।

मुंबई इंडियंस जीत सकती है आईपीएल खिताब : गावस्कर

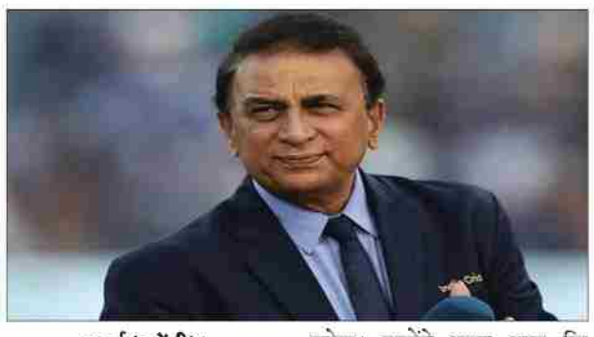

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल खिताब जीत सकती है। गावस्कर ने कहा कि मुम्बई के पास रोहित शर्मा जैसे शानदार कप्तान होने के साथ ही जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज भी है। ऐसे में टीम को जीत दर्ज करने में अधिक परेशानी नहीं आनी चाहिये। साथ ही कहा कि मुंबई पहले से ही काफी संतुलित टीम रही है और उसे इसका लाभ इस बार भी मिलेगा।

गावस्कर ने कहा कि क्विंटन डी कॉक, हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी इस बार मुम्बई के पास नहीं हैं पर इससे फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने साफ कहा कि मुंबई ने एक बार फिर से संतुलित टीम बनाई है जबकि दूसरी ओर हार्दिक पंडया की कप्तानी में उतर रही नई टीम गुजरात टाइटन असंतुलित है। गावस्कर के अनुसार गुजरात टीम शायद ही कोई कमाल कर पाये। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि टीम के पास मध्यक्रम में टिककर रन बनाने वाले बल्लेबाज नहीं हैं पर गेंदबाजी को उन्होंने ठीक करार दिया। गावस्कर ने यह भी कहा कि टीम के पास हार्दिक और शुभमन गिल जैसे पावर हिटर हैं पर उनसे अधिक उम्मीद नहीं की जा सकती है। इससे बल्लेबाजी क्रम असंतुलित हो जाता है। इसी को देखते हुए यह साफ है कि गुजरात टीम ज्यादा सफल नहीं रहेगी।

बीसीसीआई ने रखा 6 टीमों की महिला आईपीएल का प्रस्ताव, शुरूआत अगले साल से

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अगले साल से छह टीमों के महिला आईपीएल का प्रस्ताव रखा है। शुक्रवार को मुंबई में इंडियन प्रीमियर लीग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके अनुसार महिला क्रिकेटरों के लिए छह-टीम वार्षिक ट्वेंटी 20 टूर्नामेंट शुरू होगा। पहली वरीयता मौजूदा आईपीएल फ्रेंचाइजी टीमों को दी जाएगी। हालांकि इस साल सामान्य महिला ट्वेंटी-20 चुनौती होगी।

गवर्निंग काउंसिल ने महसूस किया है कि महिला आईपीएल के लिए संभावनाएं हैं। फैसला किया गया कि आईपीएल की मौजूदा फ्रेंचाइजी से पूछा जाएगा कि क्या उनके पास महिला टीम हो सकती है। मौजूदा टीम का विकल्प समाप्त होने के बाद बीसीसीआई बाहरी पार्टियों को फ्रेंचाइजी लेने के लिए आमंत्रित करेगा।

मोईन अली को वीजा मिला, सीएसके के दूसरे मैच के लिये उपलब्ध रहेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के स्टार आलराउंडर मोईन अली को भारत का वीजा मिल गया है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम के दूसरे मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ कासी विश्वनाथन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इंग्लैंड का यह खिलाड़ी हालांकि गुरुवार को मुंबई पहुंच जाएगा लेकिन उन्हें अपनी टीम से जुड़ने से पहले तीन दिन तक पृथकवास पर रहना होगा और इस कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शनिवार को होने वाले पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। विश्वनाथन ने पीटीआई से कहा, ''मोईन को वीजा मिल गया है और वह आज मुंबई पहुंच जाएंगे। वह तीन दिन का पृथकवास पूरा करने के बाद दूसरे मैच के लिये उपलब्ध रहेंगे।'' पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के लिये वीजा के तय मानदंडों के कारण उन्हें वीजा मिलने में देरी हुई। मोईन के दादा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से इंग्लैंड चले गये थे लेकिन मोईन का जन्म इंग्लैंड में

हुआ है और वह अक्सर भारत आते रहते हैं। आईपीएल 2022 का पहला मैच शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में चार बार के चैंपियन सीएसके और पिछले साल के उप विजेता केकेआर के बीच खेला जाएगा। सीएसके को अपना दूसरा मैच 31 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलना है। मोईन ने चेन्नई को आईपीएल का चौथा खिताब दिलवाने में अहम भूमिका निभायी थी और इसलिए फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा और रुतुराज गायकवाड़ के साथ उन्हें टीम में बनाये रखा था। मोईन ने पिछले साल आईपीएल में चेन्नई की तरफ से 15 मैचों में 357 रन बनाए और छह विकेट लिये थे।

टाटा आईपीएल शनिवार से शुरु होगा , खिताब के लिए उतरेंगी दस टीमें

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 15 वां सत्र शनिवार से यहां शुरु हो रहा है। इस बार आईपीएल की प्रायोजक टाटा है क्योंकि चीनी कंपनी विवो को हटाये जाने के बाद टाटा ने दो साल के लिए करार किया है। ऐसे में यह टूर्नामेंट टाटा आईपीएल के नाम से जाना जाएगा। इस बार आईपीएल में आठ की जगह दस टीमें भाग लेंगीं । दो नई टीमें लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटन्स शामिल की गयी हैं। लखनऊ की कप्तानी लोकेश राहुल जबकि गुजरात की हार्दिक पंड्या के पास है। आईपीएल का पहला मुकाबला मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और गत उप विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच होगा। इस बार का आईपीएल इसलिए विशेष है क्योंकि इसमें दर्शक भी नजर आयेंगे। इससे पहले हुए आईपीएल में कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए दर्शकों को प्रवेश नहीं मिला था।

साइना नेहवाल मलेशिया की किसोना सेल्वादुरे से हारी, स्विस ओपन से बाहर

बासेल। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल शुरुआती बढ़त के बावजूद यहां महिला एकल के दूसरे दौर में मलेशिया की किसोना सेल्वादुरे से हारकर स्विस ओपन से बाहर हो गईं। विश्व रैंकिंग में 23वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम जीता लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और गुरुवार की रात को खेले गए इस मैच में 64वीं रैंकिंग की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 21-17, 13-21, 13-21 से हार गई। इससे पहले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता किदांबी श्रीकांत सहित चार भारतीय खिलाड़ियों ने अपने अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

तोक्यो ओलंपिक के बाद बजरंग पूनिया को नहीं मिला कोई फिजियो, दर-दर भटकने को मजबूर

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया को अपनी चोटों से तेजी से उबरने के लिए किसी फिजियो की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ने फिजियो की सेवाए लेने के लिए पिछले कुछ महीनों में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई), खेल एनजीओ जेएसडब्ल्यू और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के दरवाजे खटखटाए लेकिन अभी तक अधिकारियों से उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। बजरंग का कहना है कि अगर उनके पास व्यक्तिगत फिजियोथेरेपिस्ट होता तो वह दो प्रतियोगिताओं में खेल सकते थे जिसमें एक रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट था। सोनीपत में जनवरी के अंत में राष्ट्रीय शिविर शुरू होने के समय ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं घुटने में खिंचाव होने लगा जिसके कारण वह तुर्की में यासर डोगू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में नहीं खेल सके। वह ईरान में अपने कोच सुजीत मान के साथ दो हफ्ते तक रहे लेकिन फिजियो नहीं होने की वजह से उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया में देरी हुई। बजरंग ने आगामी एशियाई चैम्पियनशिप के लिये 65 किग्रा ट्रायल जीतने के बाद पत्रकारों से कहा कि मैं एक डॉक्टर के साथ गया था लेकिन अच्छा होता कि अगर मेरे पास फिजियो होता। मैंने सारा रिहैब खुद ही किया। अगर मेरे पास फिजियो होता तो मैं तेजी से उबर सकता था और उन टूर्नामेंट में खेल सकता था। मैं तोक्यो ओलंपिक के बाद से ही फिजियो के बिना हूं। एक अमोदित्य नाम के फिजियो थे, लेकिन उनका निधन हो गया। मैंने डब्ल्यूएफआई, जेएसडब्ल्यू और साइ से भी पूछा लेकिन अभी तक कोई फिजियो नहीं मिला है। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा कि उन्हें बजरंग को फिजियो देने में कोई परेशानी नहीं है, बल्कि उन्होंने उनके अनुरोध को मंजूरी दे दी लेकिन रेलवे ने उस फिजियो को देने से इनकार कर दिया जिन्हें यह पहलवान चाहता था।

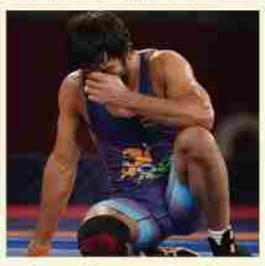

तुर्की को हराकर पुर्तगाल विश्व कप में जगह बनाने के करीब

पोर्टो। पुर्तगाल ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद गुरुवार की रात यहां तुर्की को 3-1 से हराकर कतर में इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। पुर्तगाल के प्रशंसक हालांकि तब स्तब्ध रह गए थे जब रेफरी ने 85वें मिनट में तुर्की को पेनल्टी देकर उसे बराबरी करने का मौका दिया था। लेकिन बुराक इल्माज का शॉट क्रास बार के ऊपर से निकल गया और पुर्तगाल पर आया संकट टल गया। पुर्तगाल के लिए एडमिलसन ने 15वें और डिएगो जोटा ने 42वें मिनट में गोल किए। इल्माज ने 65वें मिनट में गोल दागकर तुर्की की उम्मीद जगाई लेकिन वह पेनल्टी से चूक गए और पुर्तगाल के मैथियास नुनेस इंजुरी टाइम में अपनी टीम के लिए तीसरा गोल करने में सफल रहे। इस जीत से पुर्तगाल और क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक और विश्व कप में जगह बनाने के करीब पहुंच गए। उसे यूरोपीय क्वालीफाईंग के प्लेऑफ फाइनल में मंगलवार को अपनी धरती पर उत्तरी मेसेडोनिया से भिड़ना है जिसने इटली को 1-0 से हराकर सनसनी फैला दी थी।

न्यूजीलैंड और नीदरलैंड्स के बीच इकलौता टी20 मुकाबला

मुबई (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की टीम जल्द ही लिमिटेड ओवर सीरीज के लिए क्रिकेट मैदान में उतरने वाली है। कीवी टीम नीदरलैंड्स की मेजबानी करेगी। बता दें कि, नीदरलैंड्स को एक मात्र टी 20 और तीन मैचों के वनडे मैच में खेलना है जो कि 25 मार्च 2022 से शुरू होगा। इस मैच

की लाइव और एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग अमेजन प्राइम पर होगी। जानकारी के लिए बता दें कि, न्यूजीलैंड टीम के शानदार बल्लेबाज रोस टेलर ने साल के शुरूआत में संन्यास की घोषणा कर दी है जिसके कारण वह अपनी टीम के लिए आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलते हुए नजर आएंगे।

इक्वेडर और उरूग्वे ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

साओ पाउलो। ब्राजील और अर्जेंटीना के बाद इक्वेडर और उरूग्वे ने भी दक्षिण अमेरिका से विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई कर लिया है जिसका आयोजन इस साल के आखिर में कतर में होगा। तीसरे स्थान की टीम इक्वेडर को गुरुवार को परागवे से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बावजूद वह चौथे स्थान पर काबिज उरूग्वे की पेरू पर 1-0 से जीत से विश्व कप में सीधे प्रवेश करने में सफल रहा। इक्वेडर और उरूग्वे दोनों के 25 अंक हो गए हैं और अब किसी अन्य टीम के यहां तक पहुंचने की संभावना नहीं हैं। ब्राजील और अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके थे। दक्षिण अमेरिका से पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में एशियाई टीम से भिड़ेगी। पेरू के 21 अंक हैं और वह मंगलवार को परागवे पर जीत दर्ज करके यह स्थान हासिल कर सकता है। कोलंबिया भी बोलिविया पर 3-0 की जीत से दौड़ में शामिल हो गया है। उसे आखिरी मैच में वेनेजुएला को हराना होगा और पेरू की हार के लिये प्रार्थना करनी होगी। चिली को ब्राजील से 4-0 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी लेकिन उसके 19 अंक हैं और वह भी पांचवें स्थान की दौड़ में है।

कोहली का कप्तानी छोड़ने का फैसला समझदारी भरा: शास्त्री

वींसलैंड (एजेंसी)।

नयी दिल्ली7 भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना ??है कि विराट कोहली ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों की कप्तानी छोडकर 'समझदारी भरा फैसला' किया, जिससे उनकी आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में खुद को बेहतर तरीके से पेश करने की राह आसान हो गयी है।

भारतीय कोच रहने के दौरान कोहली के नेतृत्व कौशल को करीब से जानने और समझने वाले शास्त्री को हालांकि लगता है कि यह 33 वर्षीय बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में कप्तान बने रह सकता था।

शास्त्री ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि यह (कप्तानी छोड़ना) अप्रत्यक्ष तौर पर फायदेमंद हो सकता है। कप्तानी का दबाव उनके कंधों से उतर गया है। कप्तान से जो उम्मीदें की जाती हैं अब वे नहीं होंगी। अब वह खुद को अच्छी तरह से अभिव्यक्त कर सकते हैं, खुलकर खेल सकते हैं और मुझे लगता है कि वह ऐसा करना भी चाहेंगे।'' उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, ''मेरा मानना है कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने का समझदारी भरा फैसला किया। मुझे अच्छा लगता अगर वह भारत की टेस्ट टीम के कप्तान बने रहते लेकिन यह निजी पसंद है।''

कोहली ने आईपीएल 2021 के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी छोड़कर सबको चौंका दिया था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे में भारत की 1-2 से हार के बाद उन्होंने टेस्ट टीम की कप्तानी भी छोड़ दी थी जबकि इससे पहले उन्होंने पिछले साल विश्व कप के बाद टी20 टीम की कप्तानी से त्यागपत्र दे दिया था।

इसी के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया था। शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने प्रदर्शन को लेकर चिंता न करे, क्योंकि उसने विश्व क्रिकेट में खुद को साबित करने के लिये पर्याप्त काम किया है।'' इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करने की अपनी चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा, ''खेल के तीनों प्रारूपों में एक टीम की कप्तानी करना

आसान काम नहीं है, विशेषकर भारत की कप्तानी जहां आपसे बहुत अधिक उम्मीदें लगायी जाती हैं।''

शास्त्री ने कहा, ''भारतीय टीम के कप्तान के मुकाबले किसी अन्य टीम के कप्तान को कम दबाव झेलना पड़ता हैं, क्योंकि यहां एक अरब से अधिक लोगों की उम्मीदें आपसे जुड़ी होती हैं। अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं।

दूसरी बार यूपी के सीएम बने योगी

दो उपमुख्यमंत्री और 16 कैबिनेट मंत्री समेत कुल 52 मंत्रियों ने ली शपथ

लखनऊ, 25 मार्च (एजेन्सी)। योगी आदित्यनाथ ने आज दूसरी बार यूपी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योगी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर केशव प्रसाद और ब्रजेश पाठक ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

केशव प्रसाद मौर्य ने दोबारा सूबे के उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद भाजपा आलाकमान ने उन पर भरोसा बनाए रखा है। वहीं कानून मंत्री रहे ब्रजेश पाठक को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। पार्टी में ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाया गया है। तय हो गया है कि भाजपा अब ब्राह्मणों की लीडरशिप में बदलाव कर रही है।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण योगी आदित्यनाथ के साथ कुल 52 मंत्रियों ने शपथ ली है। 52 में से दो उपमुख्यमंत्री और 16 मंत्री, 14 राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और 20 राज्यमंत्रियों ने शपथ ली है। योगी आदित्यनाथ सरकार में केशव प्रसाद मौर्य ने दोबारा उपमुख्यमंत्री शपथ ली है। दूसरे पर डा. दिनेश शर्मा की जगह अब ब्रजेश पाठक को उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी में ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाया गया है। तय हो गया है कि भाजपा अब ब्राह्मणों की लीडरशिप में बदलाव कर रही है। इसी के साथ दो उपमुख्यमंत्री, 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है।

योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी के इकाना स्टेडियम में दोबारा यूपी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। योगी आदित्यनाथ को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह और बेबी रानी मौर्य ने उत्तर प्रदेश के मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेन्द्र सिंह चैधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविन्द कुमार शर्मा, योगेन्द्र उपाध्याय, आशीष पटेल और निषाद पार्टी के संजय निषाद ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली।

समारोह में हरदोई से विधायक नितिन अग्रवाल, कपिल देव अग्रवाल, रवींद्र जायसवाल संदीप सिंह, गुलाब देवी, गिरीश चंद्र यादव, धर्मवीर प्रजापति, असीम अरुण ,जेपीएस राठौर, दयाशंकर सिंह, नरेंद्र कश्यप, दिनेश प्रताप सिंह अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्र दयालु ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शपथ ली।

मयंकेश्वर सिंह ,दिनेश खटीक, संजीव गौड़, बलदेव सिंह ओलख, अजीत पाल, जसवंत सैनी, रामकेश निषाद, मनोहर लाल मन्नू कोरी, संजय गंगवार, बृजेश सिंह, केपी मलिक, सुरेश राही, सोमेंद्र तोमर, अनूप प्रधान बाल्मीकि, प्रतिमा शुक्ला, राकेश राठौर गुरु, रजनी तिवारी, सतीश शर्मा, दानिश आजाद अंसारी, विजय विजय लक्ष्मी गौतम ने राज्य मंत्री की शपथ ली है।

योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल में डा. महेन्द्र सिंह, श्रीकांत शर्मा, नीलीमा कटियार, सतीश महाना, आशुतोष टंडन गोपाल जी, सिद्धार्थ नाथ सिंह, नीलकंठ तिवारी तथा जय प्रताप सिंह मंत्री नहीं बने। मंत्रिमंडल से मोहसिन रजा का पत्ता कटा, मोहसिन की जगह दानिश आजाद को मौका दिया गया है। डा. दिनेश शर्मा को विधान परिषद का सभापति बनाया जा सकता है। सतीश महाना के विधानसभा अध्यक्ष होने की चर्चा है।

उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। स्वतंत्र देव सिंह को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्री बनाया गया है। वह यूपी भाजपा अध्यक्ष हैं।

शाहजहांपुर से विधायक सुरेश कुमार खन्ना को योगी कैबिनेट में जगह मिली है। इसके अलावा योगी सरकार में सूर्य प्रताप शाही ने भी शपथ ली है। शाही को भाजपा के कद्दावर नेताओं में गिना जाता है। इसके अलावा नंद गोपाल नंदी को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में जगह मिली है। नंदी प्रयागराज दक्षिण सीट से विधायक चुने गए हैं। नंदी तीसरी बार विधायक बने हैं।

जयवीर सिंह को योगी सरकार में मंत्री बनाया गया है। वह मैनपुरी विधानसभा से विधायक हैं। जयवीर मुलायम और मायावती सरकार में भी मंत्री रहे हैं। मथुरा के लक्ष्मी नारायण चौधरी को योगी मंत्रिमंडल में जगह मिली है।

उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। वह मायावती सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। छाता विधानसभा से पांच बार चौधरी विधायक रह चुके हैं।

'हिम्मत है तो दाउद इब्राहिम को मरवाकर दिखाओ', उद्धव ठाकरे का मोदी सरकार को चैलेंज

मुंबई, 25 मार्च (एजेन्सी)। शिवसेना अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मोदी सरकार को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में दम है तो दाउद इब्राहिम को मरवाकर दिखाए। महाराष्ट्र विधानसभा में बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने एनसीपी नेता नवाब मलिक का बचाव किया। उन्होंने कहा कि नवाब मलिक के रिश्ते दाउद इब्राहिम से हैं तो इतने सालों तक केंद्रीय एजेंसियां क्या कर रही थीं? महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे बीजेपी विधायकों के संदर्भ में उन्होंने ये बात कही।

उद्धव ठाकरे ने केंद्र की बीजेपी सरकार से पूछा कि आतंकी अफजल गुरु और बुरहान वानी से सहानुभूति रखने वाली पीडीपी के साथ मिलकर उन्होंने सरकार क्यों बनाई? इस दौरान उद्धव ठाकरे बीजेपी नेता और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को चाहिए कि वो देवेंद्र फडणवीस को नौकरी पर रख लें। उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी पिछला चुनाव राम मंदिर पर लड़ी और अब अगले चुनाव में दाउद इब्राहिम के नाम पर वोट मांगेगी। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का जिक्र करते हुए कहा कि बराक ओबामा ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मरवाया, फिर भी कभी लादेन के नाम पर वोट नहीं मांगा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना की सहयोगी पार्टी एनसीपी के नेता नवाब मलिक को ईडी ने दाउद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग केस में 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था। एनसीपी ने नवाब मलिक को अस्थाई तौर पर उनके सभी पदों से हटा दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार को ईडी ने उद्धव ठाकरे के साले से जुड़ी 6.45 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी।

बीजेपी नेता किरीट सौमैया ने इस बात को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना भी साधा था। उन्होंने कहा था कि सत्ता में आने के बाद उद्धव ठाकरे ने शिवसेना को माफिया सेना बना दिया है।

हर दिन एक नई पेनड्राइव ला रही है भाजपा, क्या इसकी फैक्ट्री लगा रखी है: संजय राउत

मुंबई, 25 मार्च (एजेन्सी)। शिवसेना सांसद संजय राउत ने भाजपा और केंद्र की जांच एजेंसियों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का विपक्षी दल और केंद्र की जांच एजेंसी की मिली भगत है। पश्चिम बंगाल में यही हो रहा है, यहां भी यही हो रहा है और आप देखिए कि थोड़े दिनों में तमिलनाडु भी ये लोग जाने वाले हैं।

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को पेनड्राइव देने पर भी राउत ने तंज कसा। शिवसेना नेता कहा कि क्या है यह पेनड्राइव, रोज नया पेनड्राइव सामने आ रहा है...क्या उनकी फैक्ट्री है? राउत ने कहा कि आपकी (भाजपा की) 100 पेनड्राइव पर हमारा एक कवर ड्राइव भारी पड़ेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाविकास आघाडी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के 21 मामले गिनाए। उन्होंने सरकार को महाविनाश आघाडी और मद्य बिक्री आघाडी करार दिया। फडणवीस ने कहा कि बीएमसी की स्थायी समिति अध्यक्ष के पास अब तक 300 करोड़ रुपए तक की संपत्ति मिली है और यह संपत्तियां उन्होंने उस वक्त बनाईं जब राज्य में और मुंबई में लोग कोरोना महामारी से मर रहे थे।

फडणवीस ने कहा कि मेरे पास एक पेन ड्राइव है, लेकिन इसका फॉरेंसिक ऑडिट अभी तक नहीं हुई है। इसलिए मैं अभी किसी को दोष नहीं दे रहा हूं। इस पेन ड्राइव का बारामती के नेताओं से कोई लेना-देना नहीं है। मैं यह पेन ड्राइव सिर्फ गृह मंत्री को दूंगा। इसमें इसहाक बागवान के भाई नासिर बागवान का स्टिंग ऑपरेशन है। बागवान ने मुंबई में माफिया हाजी मस्तान को एक अपहरण मामले में मदद की थी।

पीएम मोदी 01 अप्रैल को बच्चों के साथ करेंगे परीक्षा पे चर्चा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5वें परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत 1 अप्रैल को बच्चों के साथ सीधा संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल बच्चों के साथ परीक्षा से पहले बात करते हैं। इस दौरान पीएम बच्चों से परीक्षा को लेकर होने वाले तनाव के बारे में बात करते हैं। ये एक ओपन सेशन होता है जिसमें बच्चे पीएम मोदी से कोई भी सवाल कर सकते हैं जिसका पीएम मोदी जवाब देते हैं। कार्यक्रम में पीएम मोदी देशभर से आए बच्चों के माता-पिता और टीचर्स से भी बात करते हैं। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 1 अप्रैल को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित होगा।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, उनके माता पिता और उनके टीचर्स के साथ सीधा संवाद करना है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर से आए बच्चे, उनके माता पिता और टीचर्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एग्जाम से पहले एग्जाम से पहले आने वाली चुनौतियों और उसका समाधान के बारे में चर्चा करते हैं। हर साल दिसंबर-जनवरी में परिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाता है। इससे पहले करीब 15.7 लाख छात्रों ने क्रिएटिव राइटिंग कंपटीशन के लिए रजिस्ट्रेशन किया था।

पीएम नरेंद्र मोदी के मुताबिक परीक्षा पे चर्चा बेहतरीन कार्यक्रम है जहां उन्हें देश के युवाओं से सीधे बात करने का मौका मिलता है। इससे उन्हें उनकी समस्याओं को समझने में बेहतर मदद मिलती है। पिछले साल 7 अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान पीएम मोदी बच्चों के साथ उनके पेरेंट्स और टीचर्स से बच्चों के लिए पढ़ाई का अच्छा माहौल बनाने को लेकर बात करते हैं। पीएम मोदी कहते हैं कि अगर हम बच्चों में से परीक्षा का तनाव और डर खत्म कर देंगे तो बच्चे और अच्छा फोकस कर पाएंगे।

सीएम योगी के शपथ ग्रहण से पहले समर्थकों ने बुल्डोजर की उतारी आरती, मंदिरों में भी की पूजा

लखनऊ, 25 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद दोबारा सत्तासीन होने जा रही भारतीय जनता पार्टी की नई सरकार का शपथ ग्रहण शुक्रवार की शाम चार बजे यहां भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होगा और योगी आदित्यनाथ दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले भाजपा के समर्थक बेहद उत्साहित हैं।

इससे पहले भाजपा के समर्थकों ने वाराणसी, मथुरा और राज्य के अन्य हिस्सों में मंदिरों में पूजा अर्चना की। कई जगहों पर योगी के जबरा फैन बुल्डोजर की पूजा करते नजर आए। भाजपा के राज्य महासचिव गोविंद नारायण शुक्ल ने कहा कि मंदिरों में पूजा अर्चना करने के बाद समर्थक योगी के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए निकल गए हैं।

इससे पहले भाजपा के समर्थकों ने वाराणसी, मथुरा और राज्य के अन्य हिस्सों में मंदिरों में पूजा अर्चना की। कई जगहों पर योगी के जबरा फैन बुल्डोजर की पूजा करते नजर आए। भाजपा के राज्य महासचिव गोविंद नारायण शुक्ल ने कहा कि मंदिरों में पूजा अर्चना करने के बाद समर्थक योगी के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए निकल गए हैं।

वाराणसी से मिली जानकारी के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में जाने से पहले भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वाराणसी के अलग-अलग मंदिरों में पूजा अर्चना की। काशी रीजन के भाजपा के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि वह परेड कोठी के मंदिर में गए थे। नमामि गंगे से जुड़े पदाधिकारियों ने गंगा आरती की और काशी विश्वनाथ धाम में शिवजी को दुग्ध स्नान करवाया।

प्रदेश भाजपा महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत देश भर के गणमान्य मेहमानों के अलावा 70 हजार कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में मंदिरों में लोक कल्याण की कामना के साथ हवन पूजन करके कार्यकर्ता शपथ ग्रहण समारोह के लिए निकले हैं। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण का यह आयोजन राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

जिलों से मिल रही खबरों के अनुसार शपथ ग्रहण से पहले शुक्रवार की सुबह आठ से नौ बजे के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य भर के मंदिरों में जाकर लोक कल्याण के लिए पूजा अर्चना की। भाजपा के सांगठनिक 27 हजार शक्ति केंद्रों के स्तर पर कार्यकर्ताओं को पार्टी ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी।

वाराणसी के भाजपा महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने बताया कि वाराणसी के लगभग 2000 से अधिक पदाधिकारी लखनऊ में योगी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके लिए बसों और चार पहिया वाहनों से कार्यकर्ता लखनऊ के लिए रवाना हो गये।

समारोह में प्रदेश भर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रमुख नेताओं, लेखक, साहित्यकार, चिकित्सक,अभियंता और धार्मिक मठ-मंदिरों के साधु-संतों को भी आमंत्रित किया जाएगा। देश भर के प्रमुख साधु संतों को भी आमंत्रित किया गया है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि देश के कई प्रमुख उद्योगपति कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में संपन्न हुए 403 विधानसभा क्षेत्रों का चुनाव परिणाम 10 मार्च को घोषित हुआ जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 255 और सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने 12 तथा निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) ने छह सीटों पर जीत हासिल की। पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी लगातार दूसरी बार सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है।

इसके 37 वर्ष पहले 1985 में नारायण दत्त तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने दोबारा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और तिवारी ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। योगी आदित्यनाथ के खाते में 37 वर्ष बाद यह रिकॉर्ड दर्ज होगा।

हम चाहते हैं कि सच सामने आए, सत्यपाल मलिक के आरोपों की सीबीआई जांच पर बोले मनोज सिन्हा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के रिश्वत की पेशकश वाले आरोपों की अब सीबीआई जांच होने जा रही है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश की है। इस पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, हमने सीबीआई को इस मामले में पत्र लिखा है। हम चाहते हैं कि सच सामने आए। एक बड़े पद पर आसीन होने वाले शख्स के द्वारा लगाए गए आरोपों का साफ होना बहुत जरूरी है।

सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया था कि जब वह जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे तब कई बड़े औद्योगिक घराने की फाइल आगे बढ़ाने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत का ऑफर दिया गया था। मलिक ने कहा था कि उन्होंने पैसे लेने से इनकार कर दिया था और सभी डील रद्द कर दी थीं। उन्होंने कहा था कि इस फाइल में अंबानी और आरएसएस के एक बड़े अफसर भी शामिल थे।

सत्यपाल मलिक ने दावा किया था जिन विभागों की ये फाइलें थी उनके सचिवों से जानकारी मिली थी कि इसमें कुछ गड़बड़ है और अगर फाइल पास कर दी जाती है तो 150-150 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि इस मामले में वह पीएम मोदी से मिलने गए थे। प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि करप्शन के किसी भी मामले में समझौता नहीं करना है।

बता दें कि सत्यपाल मलिक वर्तमान में मेघालय के गवर्नर हैं। झुंझुनू के एक कार्यक्रम में उन्होंने उक्त दावा किया था।

बढ़ेंगी सिद्धू की मुश्किलें! रोड रेज केस में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने 34 साल पुराने रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को मिली सजा में संशोधन की मांग वाली एक समीक्षा याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जहां पहले उन्हें 1,000 रुपये के जुर्माने के साथ छोड़ दिया गया था। पीड़ित परिवार द्वारा सुप्रीम अदालत में फिर याचिका दायर की गई थी और पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख को कठोर सजा देने की मांग की गई थी।

नवजोत सिंह सिद्धू की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'यह नकारात्मक अर्थों में एक असाधारण मामला है, जिसे इस अदालत द्वारा नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि यह प्रक्रिया का दुरुपयोग है।'

सिंघवी ने शीर्ष अदालत को बताया कि यह 1988 को हुई 34 साल पुरानी घटना है। अदालतें सजा के निलंबन के लिए कई मामलों को देखती हैं, लेकिन यह एक ऐसा मामला है जहां सुप्रीम कोर्ट का एक विस्तृत तर्कपूर्ण निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषसिद्ध को निलंबित करने का विस्तृत तर्कपूर्ण आदेश दुर्लभ है।' मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस एसके कौल ने कहा, 'लेकिन यह कैसे प्रासंगिक है? हमारे सामने एकमात्र सीमित मुद्दा यह है कि क्या हमें उस प्रावधान पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है जिसके तहत सजा दी गई थी।

जज के प्रतिउत्तर में सिंघवी ने कहा, 'इस मामले में अब तक पांच जजों ने अपनी राय दी है। कृपया इस मामले में न्यायाधीशों द्वारा पहले पाई गई कुछ बातों पर ध्यान दिया जाए।

कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी, कोई मकसद नहीं था और जमानत के उल्लंघन का कोई मामला नहीं था। सिद्धू ने इस्तीफा दे दिया था। यह अत्यधिक संदिग्ध है कि चोट के कारण मौत हो सकती है। किसी भी स्तर पर सहयोग की कोई कमी नहीं थी।

सिंघवी ने तर्क दिया कि 'यह एक समीक्षा की समीक्षा है। समीक्षा याचिका नहीं। नोटिस बहुत सीमित पहलू पर जारी किया गया था। इस मामले को पहले स्थान पर तय करने में अदालत द्वारा किए गए श्रमसाध्य प्रयास को देखें। मैं एक फैसले को इतने सारे वर्गों में विभाजित नहीं देख सकता, जहां हर बिंदु पर विचार किया गया हो।'

अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसलों को कोर्ट के सामने विस्तार से पेश किया। उन्होंने कहा, 'मेरे सबमिशन के हिस्से के रूप में मेरे पास तीन मुख्य बिंदु हैं।'

एक, एक सजा अदालत का विवेक है और दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों को छोड़कर अदालत द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाता है। दूसरा, जब किसी मामले पर अलग-अलग विचार हो सकते हैं तो अदालत कभी हस्तक्षेप नहीं करती है। तीन, जुर्माना, सजा के रूप में, बिना कैद के पूरी तरह से स्वीकार्य है।' वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले सभी पक्षों को अपनी दलीलें दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com